मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 76
गुरुवार, 25 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अतिपिछड़ा समाज की आवाज दबा रहे हैं नीतीश कुमारः राहुल गांधी

पटना, 24 सितम्बर। बिहार में महागठबंधन ने 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र' जारी करते हुए अतिपिछड़ा, एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लिए दस बड़े वादे किए हैं। बुधवार को पटना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और महागठबंधन के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र' जारी किया गया। इस दौरान सीपीआई (एमएल) के सांसद सुदामा प्रसाद, वीआईपी संस्थापक मुकेश सहनी, कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन अनिल जयहिंद, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद सहित कई वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे। संकल्प पत्र में वादा किया गया है कि महागठबंधन की सरकार बनने पर अतिपिछड़ा वर्ग के लिए अत्याचार निवारण अधिनियम पारित किया जाएगा। पंचायत और नगर निकाय में अति पिछड़ा वर्ग का आरक्षण 20 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया जाएगा। आवासीय भूमिहीन अतिपिछड़ा, एससी, एसटी और ओबीसी परिवारों को शहरी क्षेत्रों में तीन डेसिमल और ग्रामीण क्षेत्रों में पांच डेसिमल आवासीय भूमि दी जाएगी। 25 करोड़ रुपयों तक के सरकारी ठेकों में अतिपिछड़ा, एससी, एसटी और ओबीसी के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान होगा। संविधान की धारा 15(5) के तहत राज्य के सभी निजी शिक्षण संस्थानों में नामांकन हेतु आरक्षण लागू किया जाएगा।

नियुक्तियों में नॉट फाउंड सूटेबल के प्रावधान को खत्म किया जाएगा।

अतिपिछड़ा वर्ग की सूची में अल्प या अति समावेशन से संबंधित सभी मामलों को एक कमेटी बनाकर निष्पादित किया जाएगा। आरक्षण की निगरानी के लिए एक उच्च अधिकार प्राप्त आरक्षण नियामक प्राधिकरण का गठन होगा और जातियों की आरक्षण सूची में कोई भी परिवर्तन केवल विधान मंडल की अनुमति से ही संभव होगा। यूपीए सरकार द्वारा पारित शिक्षा अधिकार अधिनियम (2010) के तहत निजी विद्यालयों में नामांकन हेतु आरक्षित सीटों का आधा हिस्सा अतिपिछड़ा, पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति और जन-जाति के बच्चों हेतु निर्धारित किया जाएगा। इसके अलावा, महागठबंधन ने 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को बढ़ाने के लिए विधानमंडल में पारित कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को भेजने का वादा भी किया है। अपने संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह दस्तावेज महागठबंधन के सभी नेताओं ने मिलकर तैयार किया है और सत्ता में आने पर इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार भाजपा के पास गए हैं, तो इसका साफ मतलब है कि वो मनुवाद को चलाना चाहते हैं। जो लोग समाजवाद के उसूलों की बात करते थे, आज वही लोग भाजपा की झोली में जा गिरे हैं। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा सरकार होने का साफ मतलब गरीबों, पिछड़ों, दलितों का जीवन तबाह होना है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारिश प्रभावित किसानों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया

मुंबई, 24 सितम्बर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को प्रशासन को निर्देश दिया कि उन किसानों को तत्काल सहायता सुनिश्चित की जाये जिनकी फसलों को राज्य में हाल में हुई भारी बारिश से नुकसान पहुंचा है।

पवार ने सोलापुर जिले के करमाला तालुका का दौरा किया और किसानों और स्थानीय अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने किसानों से हौसला बनाये रखने का आग्रह किया और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है, जिससे व्यापक क्षति हुई है।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लगातार भारी बारिश के

कारण फसलों को काफी नुकसान हुआ है। मैं फसलों का निरीक्षण करने के लिए खेतों में गया। मैंने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और नुकसान के बारे में जानकारी एकत्र की।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रशासन सावधानीपूर्वक योजना बनाए तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसानों तक तत्काल सहायता पहुंचाने के लिए आवश्यक उपायों को तुरंत लागू करे।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार हमारे किसानों के पीछे पूरी दृढ़ता से खड़ी है। पवार ने कहा कि उन्होंने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

भारत से जुड़ी अमेरिकी नीति में बदलाव पर भारतीय समुदाय की चुप्पी आश्चर्यजनक: थरूर

नई दिल्ली, 24 सितम्बर। भारत की एक संसदीय समिति ने अमेरिका की ओर से हाल ही में भारत के खिलाफ लिए गए प्रतिकूल फैसलों का मुद्दा अमेरिकी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष उठाया। अमेरिका से डेमोक्रेटिक पार्टी के पांच सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल भारत आया है, जिसमें शामिल सांसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के आलोचक रहे हैं। विदेश मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने बैठक के बाद कहा कि समिति के सदस्यों ने सवाल किया कि भारतीय-अमेरिकी प्रवासी समुदाय ने इस मामले पर चुप्पी क्यों साध रखी है।

एमी बेरा के नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्यों ने भी इस पर बात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कुछ सदस्य भारतीय मूल के हैं। थरूर ने कहा, इस मुद्दे पर बात हुई कि भारतीय-अमेरिकी प्रवासी समुदाय इस सब पर इतनी चुप्पी क्यों साधे हुए है। उन्होंने कहा, हम सभी को भारतीय-अमेरिकी समुदाय से बात करने की जरूरत है और यह बताना चाहिए यदि आप मातृभूमि से अपने संबंधों की परवाह करते हैं, तो आपको इसके लिए भी लड़ना होगा, बोलना होगा। भारत के साथ खड़े होने के लिए अपने राजनीतिक प्रतिनिधि पर दबाव बनाना होगा।

निलंबन पर भड़के बिजलीकर्मी : वाराणसी में जूनियर इंजीनियरों का प्रबंधन के खिलाफ काटा बवाल

- नवरात्रि में निर्बाध आपूर्ति का भरोसा, पर अन्याय के खिलाफ डटे अभियंता
- बिना जांच निलंबन का आरोप, प्रबंधन पर तानाशाही रवैये के तीर

सुरेश गांधी

वाराणसी. वाराणसी बिजली वितरण विभाग में प्रबंधन और जूनियर इंजीनियरों के बीच यह टकराव लगातार गहराता जा रहा है। संगठन का कहना है कि उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति प्रभावित नहीं होने दी जाएगी, पर यदि निलंबन रद्द नहीं हुए तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन,

वाराणसी ने बुधवार को अधीक्षण अभियंता (नगरीय विद्युत वितरण खंड-1) के कार्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन कर प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। संगठन का आरोप है कि मुख्य अभियंता नियमों को ताक पर रखकर निर्दोष अवर अभियंता और प्रोन्नत अभियंताओं को लगातार निलंबित कर रहे हैं। जनपद अध्यक्ष इं. मनीष राय ने कहा कि मुख्य अभियंता द्वेषपूर्ण रवैया अपनाते हुए वाराणसी को अवर अभियंता-मुक्त जनपद बनाने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इं. प्रमोद कुमार और इं. सत्येंद्र कुमार गुप्ता जैसे अभियंताओं को जांच में निर्दोष पाए जाने के बाद भी निलंबित किया गया। केंद्रीय उपमहासचिव इं. दीपक गुप्ता ने कहा कि घातक विद्युत दुर्घटना में क्षेत्रीय अध्यक्ष इं. पंकज जायसवाल और प्रोन्नत अधिकारी इं. जितेंद्र प्रसाद को दोषी ठहराकर निलंबित कर दिया गया, जबकि जांच रिपोर्ट ने इन्हें क्लीन चिट दी थी। प्रबंधन अपने चहेते अधिकारियों को बचा रहा है और निदोर्षों को बलि का बकरा बना रहा है। केशव सदन में हुई आपात बैठक में तय हुआ कि जब तक सभी निलंबन आदेश वापस नहीं लिए जाते– संगठन के सदस्य रोज अधीक्षण अभियंता कार्यालय के सामने सामूहिक उपस्थिति दर्ज करेंगे। यदि प्रबंधन ने किसी सदस्य पर कार्रवाई की तो सभी अभियंता कार्यबहिष्कार कर धरने पर बैठ जाएंगे। फिर भी संगठन ने जनता को आश्वस्त किया कि नवरात्रि में निर्बाध बिजली आपूर्ति जारी रहेगी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अधीक्षण अभियंता संवाद से बच रहे हैं और कार्यालय में मौजूद नहीं रहते। संगठन हमेशा संवाद से समाधान चाहता है, लेकिन प्रबंधन तानाशाही दिखा रहा है,ह्व पदाधिकारियों ने कहा। संगठन ने ऐलान किया कि 25 सितंबर को भी सभी सदस्य अधीक्षण अभियंता कार्यालय में सामूहिक उपस्थिति दर्ज करेंगे। इस दौरान केंद्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं. अवधेश यादव मार्गदर्शन देंगे। सभा की अध्यक्षता इं. मनीष राय और संचालन इं. रवि चौरसिया ने किया। इस दौरान केंद्रीय उपमहासचिव इं. दीपक गुप्ता, पूर्वांचल संगठन सचिव इं. ज्योति भास्कर सिन्हा, क्षेत्रीय अध्यक्ष इं. पंकज जायसवाल समेत बड़ी संख्या में अवर अभियंता और प्रोन्नत अभियंता मौजूद रहे।

मन्दिर हमारी एकात्मकता, अन्तर्चेतना की जागृति का केन्द्र हैं: दत्तात्रेय होसबाले

बाराबंकी, 24 सितम्बर। बरेठी में नारायण सेवा संस्थान के लक्ष्मी नारायण मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि हमारे मन्दिर मात्र पुण्य कमाने अर्थात माँगने का स्थान नहीं, बल्कि अन्तर्चेतना जागृति का केन्द्र है। मन्दिर मनुष्य के अंदर की चेतना को जागृत रखने से लेकर दूसरे के कष्ट को दूर करने, लोगों की सेवा करने का भाव जगाता है।सरकार्यवाह जी ने कोरोना महामारी का उल्लेख करते हुए कहा कि संकट काल में कई बार अच्छे काम भी सृजित हो जाते हैं। कुछ समय पूर्व मानवता के सामने आयी महामारी कोरोना के समय लोगों की सेवा करने, रोजगार देने का काम कई संस्थाओं ने किया। संघ के स्वयंसेवकों ने भी उस समय लोगों को सेवाएं देने का काम किया। उसी से

प्रेरणा लेकर कुछ समय बाद नारायण संस्था बनी, जिसके परिसर में आज हम उपस्थित हैं।उन्होंने कहा कि समाज में कार्य करने वाली कोई भी संस्था अपने बैंक बैलेंस से नहीं, बल्कि उसको चलाने वालों के मन, बड़प्पन और कार्यों से बड़ी होती है। कोरोना काल से शुरू हुई संस्था न्यास बन गई, इस गांव में अन्यान्य कार्य करते हुए मंदिर स्थापना हुई।मन्दिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि मंदिर अन्तर्चेतना जागृत करने के लिए हैं। किसी ने पूछा, ईश्वर जड़-चेतन में हैं, सर्वत्र हैं, तो मंदिर में जाकर ही पूजा क्यों करना? तो एक भक्त ने उत्तर दिया कि आपकी साइकिल में हवा कम होती है तो आप पम्प से हवा क्यों भरते हैं? हवा तो सर्वत्र है। ऐसे ही भगवान सर्वत्र हैं, लेकिन मन्दिर आवश्यक है। मंदिर की कल्पना स्पष्ट है। जनमानस में शिल्पकलाओं और एकत्रीकरण का भाव जगाते हैं। हमारे मन्दिर एकात्मकता के केन्द्र हैं। मन्दिर की स्थापना मात्र ईंट-पत्थर की संरचना नहीं, बल्कि आगम शास्त्र के अनुरूप शास्त्रोक्त है। मन्दिर व्यक्ति को परमेष्ठि से जोड़ने का काम करते हैं।दत्तात्रेय होसबाले ने मंदिर केंद्रित ग्राम विकास को लेकर कहा कि समाजसेवी अन्ना हजारे जी ने मन्दिर केन्द्रित ग्राम विकास कार्य की शुरूआत रालेगण सिद्धि गांव में जनचेतना जगाकर की। एक बार पूछने पर उन्होंने बताया था कि यह प्रेरणा उन्हें मंदिर केंद्रित व्यवस्था से मिली है। इसी तरह एक स्वयंसेवक ने सरकारी नौकरी छोड़कर कर्नाटक के एक गांव में 900 साल प्राचीन सीताराम मंदिर के आसपास गंदगी और कुव्यवस्था को दूर कर मन्दिर की शिल्पकला पर पुस्तिका बनवायी और केवल 5 वर्षों में ही वह मंदिर ग्राम चेतना का केंद्र बन गया।

गाँवों का विकास स्वास्थ्य, शिक्षा केंद्रित हो। देश के प्रधानमंत्री भी ग्राम विकास और कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं।

गैस सिलेंडर फटने के बाद आग लगने से सात लोग घायल

मुंबई। मुंबई में बुधवार सुबह गैस सिलेंडर फटने के बाद एक दुकान में आग लगने से छह महिलाएं और एक पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए। यह जानकारी स्थानीय निकाय के अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि घटना में तीन लोग लगभग 90 प्रतिशत तक जल गये हैं।

कांदिवली (पूर्व) में मिलिट्री रोड पर अकुरली मेंटेनेंस चौकी के पास राम किसान मेस्त्री चॉल की दुकान में सुबह 9.05 बजे आग लग गई। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आग एक मंजिला दुकान में बिजली के तारों, खाद्य पदार्थों, एलपीजी सिलेंडर और गैस स्टोव तक ही सीमित थी।

अन्त्योदय दिवस -25 सितंबर, 2025

अन्त्योदय नये भारत का आधार: वंचित के उत्थान का संकल्प

-ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति- वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निमार्ताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका ह्यएकात्म मानववादह्ण का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की ह्यअंतिम जनह्ण की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है। अंत्योदय का शाब्दिक अर्थ है-अंतिम व्यक्ति का उदय। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत सशक्त भारत और नए भारत के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्ण का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त ह्यएकात्म मानव-दर्शन व अन्त्योदय की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निमार्ता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया। अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

-रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि का मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है 'नौ रातें', और इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

वसन्त की शुरूआत और शरद ऋतु की शुरूआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है कि इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाई से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मो को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है कि पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मो के साथ जुड़े कई पर्व ही है जिसे भारत के कोने-कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघंटा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुतः नवरात्र अंतःशुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

तेजस्वी के खिलाफ घर वालों की बगावत से बीजेपी गदगद

-संजय सक्सेना

बिहार की सियासत में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा का विषय लालू प्रसाद यादव का परिवार बना हुआ है। लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल में नेतृत्व की बागडोर संभाल रहे तेजस्वी यादव को लेकर एक बार फिर से घर के भीतर खटपट की खबरें सामने आ रही हैं। विपक्षी नेताओं ने इस खटपट को और गहराने का मौका पकड़ लिया है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने तो तेजस्वी यादव को राजद का औरंगजेब तक करार दे दिया। उनका आरोप है कि तेजस्वी पहले अपने ही बड़े भाई का राजनीतिक करियर खत्म कर चुके हैं और अब अपने पिता लालू प्रसाद यादव तक को चुप करा दिया है। इस तरह का बयान मिलने के बाद यह सवाल और गहरा गया है कि क्या वाकई लालू परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। तेजस्वी के खिलाफ उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव, बहन मीसा भारती और रोहणी आचार्य तीनों खुलकर बयानबाजी कर रहे हैं। क्या इसका असर बिहार की राजनीति और खासतौर पर आगामी चुनावों में राजद पर पड़ेगा,यह भविष्य की राजनति में छिपा है।

तेजस्वी यादव, जो लंबे समय तक लालू प्रसाद यादव के सबसे भरोसेमंद वारिस माने जाते रहे हैं, आज पूरी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। लेकिन हाल के दिनों में संगठन और परिवार के भीतर से यह खबरें लगातार आ रही हैं कि सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। लालू परिवार में राजनीतिक वर्चस्व को लेकर पुराने मतभेद कई बार सतह पर आए हैं। तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव के बीच की तनातनी किसी से छिपी नहीं है। तेजप्रताप कई बार सार्वजनिक मंचों से अपनी उपेक्षा का दर्द बयां कर चुके हैं। कभी कहा गया कि उन्हें पार्टी में सम्मान नहीं मिल रहा तो कभी यह आरोप लगे कि उनकी अनदेखी कर सारी शक्ति धीरे-धीरे तेजस्वी के हाथों में सौंप दी गई है। तेजप्रताप यादव के अलावा मीसा भारती भी कई मौकों पर अपने राजनीतिक महत्वाकांक्षा को सामने ला चुकी हैं। मीसा को राजनीति में ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका क्यों नहीं मिल रही, यह सवाल समर्थकों के बीच खड़ा होता रहा है। इस तरह यह साफ है कि लालू परिवार में उत्तराधिकार और नेतृत्व का सवाल हमेशा से भीतर-भीतर तनाव का कारण बना रहा है। आज जब भाजपा जैसे विपक्षी दल लालू परिवार में इस खटपट को उभार रहे हैं और तेजस्वी यादव को औरंगजेब कहकर संबोधित कर रहे हैं, तो यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि एक गहरे संकट की ओर इशारा भी है। अमित मालवीय का आरोप यह संकेत देता है कि भाजपा आगामी चुनाव में इस परिवारिक विवाद को बड़े मुद्दे के रूप में सामने लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने जिस तरह कहा कि तेजस्वी ने अपने भाई को राजनीतिक रूप से खत्म कर दिया और पिता को जेल के हवाले छोड़ दिया, उसी तरह यह एजेंडा बनाकर जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया जा सकता है। बिहार की राजनीति में परिवारवाद का सवाल हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। इस पर हमला कर विपक्ष अपने लिए मौका तलाशता है।

लालू यादव का प्रभाव अब भी मुस्लिम-यादव समीकरण में गहरा है लेकिन समय के साथ परिस्थितियां बदल चुकी हैं। अब जनता यह भी देख रही है कि जिन नेताओं ने परिवार के नाम पर राजनीति की, उनके भीतर ही असहमति और मतभेद का माहौल क्यों है। राजद के मतदाताओं के सामने यह स्थिति असमंजस पैदा कर सकती है। तेजस्वी यादव की छवि जहां एक युवा और महत्वाकांक्षी नेता की है, वहीं दूसरी ओर उनके भीतर के परिवारिक विवाद विपक्ष के लिए मजबूत हथियार बनते जा रहे हैं। तेजस्वी यादव ने अब तक इस विवाद पर खुलकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वे अपनी राजनीतिक यात्राओं और अभियानों में लगे हुए हैं, लेकिन पार्टी के भीतर यह असंतोष धीरे-धीरे और गहराता जा रहा है। संगठन के कई पुराने नेता भी निजी बातचीत में स्वीकार करते हैं कि अगर परिवारिक संघर्ष सार्वजनिक रूप से और बढ़ा तो इसका नुकसान पार्टी को चुनावी मैदान में भुगतना पड़ेगा। यह नुकसान खासकर उन इलाकों में झेलना पड़ सकता है जहां राजद का सामाजिक आधार कमजोर हो चुका है या फिर जहां भाजपा और जदयू ने पैठ बना ली है।

लालू यादव का स्वास्थ्य और उनकी उम्र भी इस समय एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। जेल की सजा और बीमारी के चलते लालू यादव अब सक्रिय राजनीति से दूर हैं। ऐसे में जो भूमिका पहले वे परिवार और पार्टी दोनों को एकजुट रखने के लिए निभाते थे, वैसी स्थिति आज नहीं रही। लालू प्रसाद यादव का राजनीतिक करिश्मा परिवार को जोड़े रखने का बड़ा सहारा था। लेकिन आज वही संतुलन टूटता नजर आ रहा है। इस खालीपन में तेजस्वी यादव अपनी ताकत तो बढ़ा रहे हैं, पर दूसरी ओर भाई-बहनों और यहां तक कि संगठन के भीतर एक वर्ग उपेक्षित महसूस कर रहा है। बिहार में चुनावी राजनीति पूरी तरह से समीकरण आधारित होती है। यादव-मुस्लिम मतों के साथ-साथ अन्य पिछड़ी जातियों और दलितों का समर्थन जीतने की जद्दोजहद हर चुनाव में होती है। यदि लालू परिवार में झगड़े की खबरें ज्यादा उभरें और विपक्ष इसका प्रचार करे तो इससे राजद के परंपरागत मतदाता भी कमजोर पड़ सकते हैं। मतदाता यह सोचने लग सकते हैं कि अगर परिवार ही एकजुट नहीं है तो पूरी पार्टी कैसे स्थिर नेतृत्व दे पाएगी।

राजद के अंदरूनी संकट का फायदा भाजपा और जदयू जमकर उठाने की कोशिश करेंगे। तेजस्वी यादव भले ही मजबूत नेता के रूप में उभर रहे हों, लेकिन परिवार और संगठन के भीतर का यह मतभेद उनका सबसे बड़ा दुर्बल पक्ष बनता जा रहा है। चुनाव में जनता जब समर्थन देती है तो वह केवल नेता की छवि ही नहीं बल्कि संगठन और उसके आंतरिक हालात को भी ध्यान में रखती है। ऐसे में अगर लालू परिवार में अनबन की खबरें लगातार सामने आती रहीं तो इसका सीधा असर राजद की सीटों पर पड़ेगा। इस समय भाजपा और उनके नेता पूरी तरह इस रणनीति पर काम कर रहे हैं कि लालू परिवार में जो भी दरार है उसे जनता के बीच और बड़े मुद्दे के रूप में परोसा जाए। यही कारण है कि अमित मालवीय जैसे नेता तेजस्वी को औरंगजेब कहकर संबोधित करने से भी नहीं झिझक रहे हैं। यह कहानी केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं बल्कि चुनावी लड़ाई की पूर्वभूमि है।

अगर तेजस्वी यादव समय रहते परिवार के भीतर के इस असंतोष को सुलझा नहीं पाए तो यह संभव है कि आगामी बिहार चुनाव में राजद को भारी नुकसान उठाना पड़े। मतदाताओं का विश्वास टूट सकता है और विपक्ष को एक बड़ा मुद्दा मिल सकता है। राजद के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह विपक्ष को इस परिवारिक अनबन पर हमला करने का मौका न दे। लेकिन हालात जिस तरह से बन रहे हैं, उस पर काबू पाना आसान नहीं होगा। राजद का सामाजिक आधार अब भी मजबूत है और तेजस्वी की लोकप्रियता युवाओं में अच्छी है, लेकिन परिवारिक विवाद को लेकर जनता के बीच अगर यह धारणा बन गई कि नेतृत्व केवल वर्चस्व की लड़ाई में उलझा है, तो यह राजद को बिहार की चुनावी जंग में नुकसान पहुंचा सकता है। यही वजह है कि आज अमित मालवीय के बयान ने इस मुद्दे को और भी ज्यादा तूल दे दिया है और इसका असर सीधे-सीधे चुनावी राजनीति में देखने को मिल सकता है।

एच-वन-बी वीजा विवाद और आत्मनिर्भर भारत का अवसर

- डॉ सत्यवान सौरभ

हाल ही में अमेरिका ने अपनी बहुप्रतीक्षित एच-वन-बी वीजा नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नए आवेदनों पर एक लाख अमेरिकी डॉलर की भारी फीस लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह निर्णय केवल आप्रवासन नीति का मामला नहीं है बल्कि बदलते वैश्विक आर्थिक समीकरणों और श्रम बाजार की गहरी हलचलों का प्रतीक है। भारतीय पेशेवर, जो अब तक एच-वन-बी वीजा धारकों का लगभग सत्तर प्रतिशत हिस्सा बनाते थे, इस कदम से सीधे प्रभावित हो रहे हैं। लेकिन यही संकट भारत के लिए अवसर भी ला सकता है। यदि लौटती हुई प्रतिभाओं यानी रिवर्स ब्रेन ड्रेन का सही इस्तेमाल हो तो यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हो सकता है। एच-वन-बी वीजा लंबे समय से अमेरिकी तकनीकी कंपनियों की रीढ़ रहा है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों में बड़ी संख्या में भारतीय आईटी पेशेवर कार्यरत हैं। किंतु अब अमेरिका में संरक्षणवादी रुझान और आर्थिक राष्ट्रवाद खुलकर सामने आ रहा है। विकसित देश अपने घरेलू श्रमिक वर्ग को संतुष्ट करने के दबाव में बाहरी प्रतिभाओं पर निर्भरता घटाने लगे हैं। यह एक विरोधाभासी स्थिति है क्योंकि अमेरिकी श्रम बाजार में उच्च तकनीकी क्षेत्रों में पर्याप्त घरेलू संसाधन नहीं हैं, लेकिन राजनीतिक दबाव इसे बाहर से आने वाले लोगों पर रोक लगाने के लिए मजबूर कर रहा है। अमेरिका आव्रजन को केवल श्रम गतिशीलता का विषय नहीं मानता बल्कि इसे व्यापारिक हथियार के रूप में भी प्रयोग कर रहा है। वीजा शुल्क में इस प्रकार की बढ़ोतरी से न केवल राजस्व अर्जित होगा बल्कि अन्य देशों पर राजनीतिक दबाव भी डाला जाएगा। इसी दौरान कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश अपनी आप्रवासन नीतियों को उदार बना रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धा का भूगोल बदल रहा है और अमेरिका का आकर्षण धीरे-धीरे कम हो सकता है।

इस नीति परिवर्तन का असर भारतीय प्रवासी समुदाय पर बहुआयामी है। एक ओर लाखों परिवारों में नौकरी की असुरक्षा और भविष्य की अनिश्चितता का माहौल बन गया है। बच्चों की पढ़ाई, सामाजिक जीवन और पारिवारिक स्थिरता पर इसका असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर भारत में इसका सकारात्मक पक्ष भी उभर रहा है। बड़ी संख्या में पेशेवर भारत लौटने के लिए प्रेरित होंगे। वे केवल पूँजी ही नहीं बल्कि वैश्विक अनुभव, नेटवर्क और तकनीकी दक्षता भी लेकर आएँगे। इस प्रकार भारत के स्टार्ट-अप और यूनिकॉर्न इकोसिस्टम को नई ऊर्जा मिल सकती है। विदेशों से लौटे पेशेवरों के पास निवेशकों का दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय बाजार का अनुभव होगा, जिससे भारत का उद्यमिता वातावरण और मजबूत हो सकता है।

एक और बड़ा अवसर यह है कि लौटे हुए विशेषज्ञ भारत के अनुसंधान और विकास क्षेत्र में अहम योगदान देंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। यदि लौटे हुए वैज्ञानिक और इंजीनियर भारतीय संस्थानों से जुड़ें तो देश में नवाचार की गति तेज हो सकती है। इससे आत्मनिर्भर भारत अभियान को वास्तविक बल मिलेगा। इसके अलावा डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहलें उन प्रतिभाशाली पेशेवरों की मदद से मजबूत होंगी जो विदेशों में आधुनिक तकनीकी अनुभव लेकर आएंगे। भारत के लिए यह समय केवल इंतजार करने का नहीं है, बल्कि ठोस नीतिगत कदम उठाने का है। सरकार को लौटती प्रतिभाओं का स्वागत करने के लिए विशेष योजनाएँ बनानी होंगी। उदाहरण के लिए रिटर्निंग टैलेंट स्कीम के तहत विदेशों से लौटने वाले पेशेवरों को कर में छूट, निवेश प्रोत्साहन और विशेष स्टार्ट-अप पैकेज दिए जा सकते हैं। विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच सहयोग के लिए उच्चस्तरीय शोध प्रयोगशालाएँ और नवाचार केंद्र विकसित किए जा सकते हैं। निजी क्षेत्र को अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाने के लिए कर रियायत और प्रोत्साहन दिया जा सकता है। इसके साथ ही वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी फंड्स को प्रवासी पेशेवरों के अनुभव से जोड़कर वित्तीय इकोसिस्टम को मजबूत करना आवश्यक होगा।

लौटे हुए प्रवासियों और उनके परिवारों के लिए सामाजिक पुनर्वास योजनाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि उन्हें भारत में बसने के दौरान कठिनाइयाँ झेलनी पड़ेंगी तो उनकी प्रतिभा का पूरा लाभ नहीं उठाया जा सकेगा। सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं में उन्हें आसानी उपलब्ध करानी होगी ताकि वे बिना किसी झंझट के समाज और अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सकें।

इस प्रकार एच-वन-बी वीजा विवाद भारत के सामने दोहरी चुनौती पेश करता है। एक ओर लाखों प्रवासी भारतीयों की आजीविका और भविष्य की चिंता है, तो दूसरी ओर यही संकट भारत के लिए सुनहरा अवसर भी है। यदि भारत इस अवसर का लाभ उठाकर रिवर्स ब्रेन ड्रेन को अपनी ताकत बना लेता है तो आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। संकट हमें यह याद दिलाता है कि आत्मनिर्भरता केवल नारे से नहीं बल्कि दूरदर्शी नीतियों और वैश्विक अवसरों को साधने की क्षमता से संभव है।

आस्थाओं के सागर में शारदीय नवरात्रि का महत्व

-विक्रम दयाल

शारदीय नवरात्रि का महत्व देवी शक्ति की आराधना, असत्य पर सत्य की विजय और आत्म शुद्धि में है। देवी दुर्गा की शक्ति, समृद्ध और विजय का पर्व है। जिसमें अध्यात्मिक शुद्धिकरण, बुराइयों पर अच्छाई की जीत, और सकारात्मक उर्जा का संचय होता है। यह उत्सव जीवन की बाधाओं को दूर कर शक्ति और आत्मविश्वास प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। जबकि समाज में नारी के महत्व को उजागर करता है। यह नव दिन तक चलने वाला उत्सव देवी दुर्गा को नव स्वरूपों का सम्मान करना सिखाता है। नवरात्रि में देवी माता की शक्ति साहस समृद्ध के लिए प्रार्थना की जाती है। जिससे समाज में एकजुटता आती है। यह पर्व शारिरिक और मानसिक संयम, उपवास, तथा दान जैसे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अभ्यासों को बढ़ावा देने वाला जिससे मन, शरीर और आत्मा की शुद्धि होती है। नवरात्रि का धार्मिक और अध्यात्मिक महत्वः शक्ति की उपासनाः नवरात्रि आदिशक्ति देवी मां नवदुर्गा जी के नौ अलग अलग रुपों के लिए समर्पित है। जिसमें मां के नौ रुपों जैसे शैलपुत्री, ब्रम्हचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा,स्कंधमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, और सिद्धिदात्री माता की पूजा विधि पूर्वक की जाती है। अध्यात्मिक जागरुकता, आत्मज्ञान और आंतरिक शुद्धि प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण समय है।शक्ति और साहस का प्रतीकः मां दुर्गा शक्ति और साहस का प्रतीक हैं। जिनकी उपासना से भक्तों मैं आत्मविश्वास और जीवन की चुनौतियों का सामना करने कि प्रेरणा मिलती है। सकारात्मक उर्जा का संचारः इस दौरान भक्त माता की पूजा से मानसिक और आत्मिक शांति पाते हैं। तथा परिवार में सकारात्मक उर्जा और खुशहाली बनी रहती है ।बुराइयों का नाशः यह पर्व काम, क्रोध, मद, मत्सर, लोभ जैसी राक्षसी प्रवृत्तियों का नाश कर बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। समाज में नवरात्रि का महत्वः सदाचार का प्रोत्साहनः यह पर्व लोगों को जीवन में उचित और पवित्र कार्य करने तथा सदाचार अपनाने के लिए प्रेरित करता है। सामाजिक सद्भावः शारदीय नवरात्रि समाज में सद्भाव से वातावरण का निर्माण करने और महिलाओं के महत्व को प्रदर्शित करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। परंपराएं और रीति-रिवाजः

भक्त नवरात्रि के दौरान उपवास रखते हैं जो शरीर की शुद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।सकारात्मक कर्मः भक्त सकारात्मक दिशा में कार्य करने पर मंथन करते हैं जिससे समाज में सद्भाव बना रहे। कन्या पूजनः नवरात्रि के अंतिम दिन यानी अष्टमी या नवमी को कन्या पूजन का विशेष महत्व है।इस दिन छोटी कन्याओं को भोजन करवाकर उन्हें सम्मानित किया जाता है और चरण स्पर्श कर आशिर्वाद लिया जाता है। रामलीला और दशहराः शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन दशहरा मनाया जाता है जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था, और इसी उपलक्ष्य में रामलीला का आयोजन भी होता है।

दीपक रंगनाथ निचित को आदर्श शिक्षक महापौर पुरस्कार प्रदान किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिक्षा के क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से और नवसृजन की लगन के साथ कार्य करने वाले शिक्षकों का गौरव करने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षा विभाग की ओर से हर वर्ष आदर्श शिक्षक महापौर पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष का यह प्रतिष्ठित सम्मान पुणे विद्यार्थी गृह विद्याभवन प्राथमिक अंग्रेजी विभाग के सहायक शिक्षक दीपक निचित को प्रदान किया गया। बता दें कि इस वर्ष 142 शिक्षकों ने इस पुरस्कार के लिए आवेदन किया था। आवेदन की छानबीन कर सभी की साक्षात्कार सहआयुक्त प्राची जांभेकर ने स्वयं लिया और उनमें से 50 शिक्षकों को महापौर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें विद्याभवन, घाटकोपर शाखा, प्राथमिक अंग्रेजी विभाग के दीपक निचित का चयन हुआ। यह पुरस्कार मनपा के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. अमित सैनी के हाथों उन्हें प्रदान किया गया।

पी आर स्कूल में दादा-दादी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने हर्षोल्लाश से मनाया दादा-दादी दिवस

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। दादा-दादी का सम्मान करने के उद्देश्य से शहर के जनरल एज्यूकेशन इंस्टिट्यूट के प्राथमिक स्कूल में बुधवार (24) को प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के साथ दादा-दादी दिवस मनाया गया। बतादें कि स्कूल के छात्रों ने अपने दादा-दादी को साथ स्कूल लेकर आने पर सभी का गुलाब के फूलों से स्वागत किया गया। बतादें कि उक्त अवसर पर पोते-पोतियों का शिक्षा के साथ संस्कार देखने को मिला बच्चों ने अपने दादा-दादी की पूजा करने के बाद उनका आशीर्वाद लिया। इस समारोह में प्राथमिक विभाग के अध्यक्ष शाम सिंघसणे, उनकी पत्नी ई.टी. गायकवाड़, स्कूल शिक्षा समिति के विजय म्हात्रे और प्राथमिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती शुभांगी पाटिल ने छात्रों की सराहना की। आजकल परिवारों के अलग होने के कारण बच्चे उपेक्षित हो जाते हैं जिससे छात्रों में उदासीनता आती है और इसका उनके जीवन पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। प्राथमिक विभाग की प्रधानाध्यापिका श्रीमती अनीता सुतार ने बताया कि इसलिए इस कार्यक्रम के आयोजन का विचार मन में आया कि हमें अपने बुजुर्गों की रक्षा करनी चाहिए। स्कूल द्वारा यह पहल पिछले तीन वर्षों से शुरू की जा रही है। छात्रों के साथ-साथ इसमें शामिल हुए दादा-दादी भी खुश हुए और उनकी आंखों में खुशी के आँसू निकल आये।

ब्लू ओशन ने ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की

मुंबई। वैश्विक सप्लाई चेन उत्कृष्टता में भारत के बढते नेतृत्व को बल देनेवाली एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन, जिसका मुख्य मथक लंदन में है और एक भारतीय की मालिकी वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी है, को आधिकारिक तौर पर व्यावसायिक विकास और सप्लाई चेन परिवर्तन के लिए सर्वोच्च वैश्विक सम्मानों में से एक से सम्मानित किया गया है। दुनिया की सबसे बडी और सबसे सन्माननीय सप्लाई चेन मैनेजमेन्ट संस्था, एसोसिएशन फॉर सप्लाई चेन मैनेजमेंट (एएससीएम) द्वारा इस कंपनी को सप्लाई चेन ट्रैनिंग और कन्सल्टिंग में विश्व स्तर पर नंबर 1 का दर्जा दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय सप्लाई चेन लीडर्स की उपस्थिति में एएससीएम के एक्जिक्यूटिव वाईस प्रैसिडेन्ट - कॉर्पोरेट एंड स्ट्रैटजिक अलायन्सिस डग्लास केंट और एएससीएम के चेयर-इलेक्ट माइकल बंग के हाथों से ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन के ग्रुप सीईओ डॉ. सत्या मेनन ने यह अवॉर्ड प्राप्त किया। यह मान्यता ऐसे समय में मिली है जब भारत मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी जैसी पहलों के माध्यम से खुद को एक ग्लोबल सप्लाई चेन हब के रूप में रणनीतिक रूप से स्थापित कर रहा है। सरकार द्वारा संचालित ये कार्यक्रम इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, लॉजिस्टिक्स कॉस्ट कम करने और टिकाऊ एवं टैक्नोलोजी-संचालित विकास को समर्थन देने में सक्षम वर्कफॉर्स के निर्माण पर जोर दे रहे हैं।

स्नेहा कुशवाहा छात्रा की हत्या को आत्म हत्या का दर्जा देकर जांच से मुकर रही है यूपी पुलिस

मुंबई/पटना। सासाराम की बेटी स्नेहा सिंह कुशवाहा नामक छात्रा की वाराणसी में हत्या को आत्म हत्या का दर्जा देकर जांच से मुकर रही है। इस मामले में आज होटल सम्राट इंटरनेशनल में कुशवाहा बुद्धिजीवी मंच के अध्य्क्ष देवेंद्र भारती,डॉ विमल कारक, एडवोकेट अजीत कुमार, स्नेहा के पिता और माता सुनील कुमार कुशवाहा व जूही देवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रधानमंत्री जी के संसदीय क्षेत्र में स्नेहा कुशवाहा की हत्या करके खिड़की से लटका दिया जाता है। वाराणसी पुलिस हत्या को आत्महत्या कह कातिल को बचाना चाहती है इसलिये पुलिस द्वारा लीपा पोती व निष्पक्ष जांच नहीं कर रही है जो बहुत दुर्भाग्य पूर्ण है देवेंद्र भारती स्नेहा की फोटो दिखाते हुए बताया की स्नेहा बिटिया की एक पैर जमीन पर था दूसरा पैर तख़्त पर था जब दोनों पैर जमीन पर टच कर रहा है तो आत्महत्या कैसे हो सकता है? देवेन्द्र भारती ने दूसरा फोटो दिखाते हुए कहा की स्नेहा के गर्दन पर दो गमछा की गांठ पीछे की तरफ बंधा था। कोई भी लड़की पीछे की तरफ दो गांठ और वह भी इतना मजबूत कैसे बाँध सकती है? यह जांच का विषय ? वक्तताओ ने कहा कि वास्तव में वाराणसी पुलिस शुरू से रामेश्वर गर्ल्स हॉस्टल के परिवार सीता राम पांडेय उर्फ रामेश्वर पांडेय को बचाने का काम कर रही है और यही कारण है की जबरन स्नेहा का अंतिम संस्कार कराया गया पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट और मानवाधिकार आयोग के सभी नियमो की धज्जिया उड़ाई लेकिन उत्तरप्रदेश सरकार ने वाराणसी पुलिस पर कोई कार्रवाई नहीं की।

स्थानीय स्तर पर समस्याओं का होगा समाधान : पालकमंत्री गणेश नाईक

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अब उच्चस्तरीय कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। स्थानीय स्तर पर ही समस्याओं का निराकरण करने के उद्देश्य से जनता दरबार का आयोजन किया गया है, ऐसा वक्तव्य वनमंत्री व पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने विक्रमगढ़ में आयोजित जनता दरबार के दौरान दिया।

इस जनता दरबार में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी समस्याएं रखीं। जनता दरबार में करीब 270 निवेदन प्राप्त हुए। इनमें मुख्य रूप से सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा व्यवस्था, जर्जर स्कूल भवन, स्वास्थ्य सेवा, भूमि अधिग्रहण और मुआवजा जैसी समस्याएं शामिल रहीं।

पालकमंत्री नाईक ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में विकास कार्यों में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। इन शिकायतों की जांच की जायेगी और गड़बड़ी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिले में 1 करोड़ पौधों का रोपण किया जायेगा। वृक्षारोपण अभियान में पालघर जिला प्रगति पर है और इसमें जनप्रतिनिधि व प्रशासन समन्वय से कार्य करेंगे। विकास कार्यों के लिए सभी विभागों को आवश्यक निधि उपलब्ध कराते हुए तात्कालिक कार्य शुरू किए जायेंगे। नाईक ने स्पष्ट किया कि शासन की भूमिका भेदभाव रहित है और आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान ही प्राथमिकता है। ग्रामविकास, वनहक्क, भूमि मुआवजा, टॉवर व गैस पाइपलाइन मामलों में किसानों को न्याय दिलाने पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त दवाइयों का स्टॉक होना चाहिए। स्कूलों में सुरक्षा के उपाय किए जाएं तथा खराब सड़कों के कामों को तत्काल गति दी जाए। कार्यक्रम में विधायक हरिश्चंद्र भोये, जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर जिलाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे, सहाय्यक जिलाधिकारी अपूर्वा बासूर, विशाल खत्री, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, पालकमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी भवानजी आगे पाटील, उपवनसंरक्षक सैपुन शेख (जव्हार), उपवनसंरक्षक निरंजन दिवाकर (डहाणू), विश्वनाथ पाटील सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

भिवंडी में पैसों के लेन देन में हुयी हत्या के मुख्य आरोपी को सात साल की सजा

भिवंडी। 19 नवंबर, 2017 को पैसों को लेकर हुए झगड़े में एक मजदूर की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी, इस मामले में भिवंडी शहर पुलिस थाने में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शहर पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में सबूत के साथ पेश किए और भिवंडी जिला एवं सत्र न्यायालय ने हत्या के मुख्य आरोपी को सात साल कैद की सजा सुनाई है। सरकारी अभियोजकों ने बुधवार को यह जानकारी दी कि 29 वर्षीय रामशीला फुलकरण पासवान, निवासी पद्मा नगर, गायत्री नगर भिवंडी, मूल निवासी उत्तर प्रदेश। उसने पैसों के विवाद में 19 नवंबर, 2017 को नारायण कंपाउंड इलाके में कमलेश कुमार पटेल की लाठी और डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में रामशीला पासवान के साथ उसके साथी राधेश्याम उर्फ ??दद्दन सियाराम श्रीवास्तव, कन्हैया बालू मल्ला, छोटूनाथ उर्फ ??बिपिननाथ रच्छनाथ बंगाली, फुलकरण मोहन पासवान, दादू सियाराम पासवान को शहर पुलिस ने हत्या के जुर्म में गिरफ्तार किया था। सोमवार को भिवंडी जिला एवं सत्र न्यायालय में मामले की अंतिम सुनवाई और फैसला माननीय न्यायाधीश एन के काले ने मुख्य आरोपी रमशीला फुलकरण पासवान को सात साल की कैद और आठ हजार रुपये का जुमार्ना और जुमार्ना अदा न करने पर चार महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई। उक्त जानकारी सरकारी वकील विजय मुंढे ने देते हुये बताया कि इस मामले में करीब 14 गवाहों की गवाही हो चुकी है।

भांडुप संकुल में मनपा का पर्यावरणपूरक उपक्रम 439 पेड़ों का पौधारोपण शत-प्रतिशत सफल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भांडुप स्थित 200 MLD पानी परियोजना के अंतर्गत बृहन्मुंबई महानगर पालिका द्वारा किए गए वृक्षारोपण उपक्रम को बड़ी सफलता मिली है। इस परियोजना में 439 पेड़ों का पुनरोपण वैज्ञानिक पद्धति से किया गया था और विशेष बात यह है कि ये सभी पेड़ शत-प्रतिशत जीवित रहे हैं। मेसर्स क्षितिज कंपनी की ओर से रूट बॉल तकनीक का उपयोग कर पेड़ों को स्थानांतरित किया गया। औषधीय उपचार, सीमित छंटाई और नियमित देखभाल के कारण पेड़ों की वृद्धि अच्छी हो रही है।

इन पेड़ों की अगले तीन वर्षों तक देखभाल की जिम्मेदारी भी पालिका ने ली है। साथ ही, लगभग 1000 नए पेड़ों का रोपण भी किया गया है, जो पूरी तरह सफल रहा है। सभी पेड़ों का नाम, क्रमांक और जियो-टैगिंग सहित जानकारी दस्तावेज करके पालिका को सौंपी गई है।

विक्रमगढ़ में स्वच्छता ज्योत एवं स्वच्छता रैली आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के तत्वावधान में बुधवार 24 सितंबर को सुबह विक्रमगढ़ में स्वच्छता ज्योत एवं स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ आमराई सभागृह पाटीलपाड़ा से किया गया, जहाँ पालकमंत्री गणेश नाईक ने स्वच्छता ज्योत प्रज्वलित कर रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली पंचायत समिति विक्रमगढ़ कार्यालय तक निकाली गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालक रूपाली सातपुते, ग्रामपंचायत विभाग के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी राजन पाटील, जल व स्वच्छता विभाग के प्रकल्प संचालक अतुल पारसकर, विक्रमगढ़ के गटविकास अधिकारी मयुर मोगल सहित अन्य अधिकारी, पंचायत समिति कर्मचारी एवं विक्रमगढ़ कनिष्ठ विद्यालय के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह अभियान स्वच्छता ही सेवा 2025 के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसे गृहनिर्माण व शहरी कार्य मंत्रालय तथा जलशक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा संयुक्त रूप से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण एवं शहरी) के तहत चलाया जा रहा है। इस वर्ष अभियान की थीम स्वच्छोत्सव रखी गई है, जो 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाई जा रही है। ज्ञात हो कि वर्ष 2017 से ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनजागृति लाने, सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और स्वयंसेवी भाव जागृत करने हेतु हर वर्ष स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अभियान से सम्पूर्ण समाज और सम्पूर्ण शासन की अवधारणा को मजबूती मिल रही है और हर वर्ष इसकी व्यापकता व प्रभाव बढ़ रहा है।

बोईसर गणेश नगर में युवा मित्र मंडल द्वारा भव्य नवरात्रोत्सव का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शारदीय नवरात्रोत्सव की पावन बेला पर पूरे जिले में भक्तिमय वातावरण व्याप्त है। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना हो रही है तो वहीं सजे-धजे पंडालों में मां जगदंबा के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लग रहा है। शाम ढलते ही रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते पंडालों में आरती के बाद गरबा व डांडिया रास की धूम भक्तों और दर्शकों को रोमांचित कर रही है। बोईसर शहर पश्चिम के गणेश नगर स्थित अंबिका इंक्लेव में युवा मित्र मंडल द्वारा आयोजित नवरात्रोत्सव पूरे धूमधाम से मनाया जा रहा है। ह्यश्री अंबिका की आईह्ल के आगमन पर मंडल की ओर से किए गए भव्य आयोजन में मंगलवार 23 सितंबर को दुसरे दिवस मां ब्रह्मचारिणी की सायं महाआरती के लिए पधारे श्री निरंजनी अखाड़ा के महंत डॉ. परमहंस श्री गिरी जी महाराज द्वारा की महाआरती और देवी की पचरा गीत की अरदास पर पंडाल में एकत्रित भक्त देवी मां की जयकारे करते काफी आनंद की अनुभूति किये। उपस्थित भक्तों ने मां की जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर नमो-नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रारंभ प्रतिष्ठान प्रमुख सत्यप्रकाश सिंह, भाजपा की वरिष्ठ नेत्री रंजनाताई संखे, युवा नेता आशिष संखे, बजरंग दल के मनोज मिश्रा सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। युवा मित्र मंडल नवरात्रोत्सव आयोजक प्रमुख मुकलेश गिरी ने बताया कि इस वर्ष भी धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसमें स्वामी भारतानंद सरस्वतीजी महाराज का दिव्य सत्संग, बच्चों के खेलकूद, नृत्य-संगीत, भाषण प्रतियोगिता, महिलाओं के लिए हल्दी-कुमकुम, गरबा-डांडिया, भजन संध्या के साथ ही सुंदरकांड एवं रामायण पाठ का विशेष आयोजन किया गया है।

भिवंडी उपजिला अस्पताल में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान सप्ताह अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया । बुधवार (24) को शहर के स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में एक भव्य स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन ठाणे जिला अस्पताल के शल्य चिकित्सक डा. किशोर पवार ने किया। दिन भर चले इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 1642 महिला/पुरुष ने चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। इस शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, नेत्र और दंत रोगियों की जाँच की गई। कान, नाक और गला, हड्डी रोग, बाल रोगी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, गर्भवती माताओं, रक्त परीक्षण और हीमोग्लोबिन, क्षय रोगियों की जाँच की कर टीकाकरण किया गया। 117 सिकलसेल प्रभावित रोगियों की जाँच की गई, विशेषज्ञ डाक्टरों की मदद से रोगियों का मार्गदर्शन और जाँच की गई। महिलाओं और किशोरियों को आहार, मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में मार्गदर्शन दिया गया और गर्भवती माताओं के रक्त परीक्षण किए गए।

आभा कार्ड, आयुष्मान कार्ड और सिकलसेल कार्ड वितरित करने के साथ स्तन, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और मुख कैंसर की जाँच की गई। इस अवसर पर जिला अस्पताल ठाणे के समन्वय में डा. गुलफाम और नीलकंठ स्वामी द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें भिवंडी न्यायालय के न्यायाधीश ने रक्तदान करने के साथ अंगदान करके नागरिकों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम में स्नेहा फाउंडेशन नामक गैर-सरकारी संगठन ने सभी गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल की वैद्यकीय अधीक्षक डा. माधवी पंदारे के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारी डा. इजहार अंसारी, प्रयोगशाला विभाग के राजेंद्र शिंदे, देवीदास शेटगे, कार्यालय अधीक्षक सीमा माने, परिचारिका हेमलता जाधव और सभी नर्सिंग स्टाफ के साथ-साथ सभी अधिकारी, कर्मचारी और सभी डाक्टरों ने कड़ी मेहनत किया।

उद्धव ठाकरे शिवसेना द्वारा डोंबिवली रेलवे स्टेशन का दौरा

स्टेशन प्रबंधक को दिया कड़ी चेतावनी

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। उद्धव बालासाहेब ठाकरे की पार्टी के पदाधिकारियों ने डोंबिवली रेलवे स्टेशन की कई समस्याओं का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन प्रबंधकों को चेतावनी देते हुवे कहा कि जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान करें, अन्यथा वे शिवसेना स्टाइल में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

ठाकरे शिवसेना द्वारा गम्भीर आरोप लगाते हुवे कहा कि डोंबिवली पश्चिम रेलवे ब्रिज का इस्तेमाल भिखारी और नशेड़ी आवारा लोग कर रहे है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल पैदा हो रहा है। शहर के नागरिक इस बात से हैरान हैं कि रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल इस ओर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं। इसके अलावा, पश्चिम में, रेलवे स्टेशन से बाहर निकासी द्वार के सामने खड़ी ऑटो रिक्सा के कारण भीड़भाड़ रहती है। कई बार रिक्शा चालकों और यात्रियों के बीच लड़ाई झगड़े भी होता है । ऐसे अनेकों समस्याओं से स्टेशन प्रबधंन को अवगत कराया गया है।

जिला परिषद पालघर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मार्गदर्शन व प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में बुधवार 24 सितम्बर को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसह्ल एआई) विषय पर विशेष मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशासनिक कार्य अधिक पारदर्शी, तीव्र एवं परिणामकारी बनाने के उद्देश्य से यह पहल की गई। कार्यक्रम में मार्गदर्शन करते हुए जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रशिक केशवराव रावले ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शासकीय कामकाज को और अधिक सरल व प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने एआई के विविध उपयोग, व्यवहारिक उदाहरण और तकनीक को अमल में लाने के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा.) इजाज अहमद शरीकमसलत भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, ह्लकृत्रिम बुद्धिमत्ता का सही उपयोग प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक परिणामकारक और जनहितैषी बना सकता है।ह्ल कार्यक्रम में जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने एआई से जुड़ी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया और तकनीकी बदलावों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया गया।

जिला परिषद अधिकारियों का कहना है कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कर्मचारियों को नई तकनीकों का लाभ उठाने में आसानी होगी और प्रशासनिक कार्यों में गति व प्रभावशीलता बढ़ेगी। आगामी समय में भी ऐसे नवीन्यपूर्ण मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

यामाहा ने बिहार में दुर्गा पूजा पर विशेष फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की

मुंबई/पटना। बिहार में दुर्गा पूजा के उत्सव की खुशी में, इंडिया यामाहा मोटर अपने ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर्स लेकर आया है। इस शुभ अवसर पर, यामाहा अपनी लोकप्रिय मोटरसाइकिलों और स्कूटरों पर जीएसटी लाभ, इंश्योरेंस ऑफर्स और कैशबैक के साथ विशेष डील पेश कर रहा है। ग्राहकों के लिए अपनी यामाहा को घर लाने का यह सबसे सही समय है। यामाहा के नवरात्रि विशेष ऑफरः आर15 वी4ः 15,734 तक का जीएसटी लाभ और Rs. 6,560 के बीमा लाभ । एमटी-15ः 14,964 तक का जीएसटी लाभ और 6,560 के बीमा लाभ। एफजेड-एसफाई हाइब्रिड : 12,031 तक का जीएसटी लाभ और 6,501 के बीमा लाभ।

फसिनो 125 हाइब्रिडः 8,509 तक का जीएसटी लाभ और 5,401 तक के अन्य लाभ । रेज आर 125 एफ आईः 7,759 तक का जीएसटी लाभ और 3,799 तक के अन्य लाभ बिहार में इस त्यौहार का जश्न यामाहा की प्रीमियम मोटरसाइकिल और स्कूटर रेंज के साथ मनाएं, जो हर सवारी में रोमांच और प्रदर्शन जोड़ने के लिए डिजाइन की गई हैं । अपनी नजदीकी यामाहा डीलरशिप पर जाएं और इन फेस्टिव ऑफर्स का लाभ उठाएं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में वांछित आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के अम्बेडकर नगर भादी मोहल्ले से किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में पीड़ित पक्ष की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में वांछित चल रहे युवक को एंटी रोमियो की टीम

ने गिरफ्तार कर चालान भेज दिया। नगर के अम्बेडकर नगर मोहल्ला निवासी अजय बहादुर पुत्र स्व मोतीलाल ने मोहल्ले के ही सुजीत कुमार पुत्र महेन्द्र प्रसाद पर किशोरी के साथ छेड़खानी करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर दिया। जिसमे पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ धारा 74 भारतीय न्याय संहिता व 7/8 पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर युवक की तलाश में जुटी हुई थी। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार कर दर्ज मुकदमे में चालान भेज दिया।

शिक्षा व समाज में बेहतर योगदान करने वाले युवा समाजसेवी को किया गया सम्मानित

मोहम्मद साहब के आने से पहले बेटियों को ज़िंदा कब्रों में दफनाया जाता रहा: मुफ्ती अब्दुर रहमान कासमी जौनपुरी

मो.फैसल सिद्दीकी की रिपोर्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के मोहल्ला मुफ्ती में हुमा मस्जिद के नजदीक एक्सप्रेस न्यूज नेटवर्क एजेंसी एवं उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के बैनर तले हजरत पैगम्बर मोहम्मद की सीरत पर एक कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत हाफिज जावेद अंसारी ने कुराने पाक की तिलावत करके शुरूआत कि, जिसमें मुफ्ती अब्दर्रहमान कासमी मुख्य अतिथि रहे। मोहम्मद साहब के आने से पहले बेटियों को ज़िंदा कब्रों में दफनाया जाता रहा, मुफ्ती अब्दुर रहमान कासमी जौनपुर ने हुजूर की सीरत पर बयान करते हुए कहा कि इस्लाम में बेटियों का क्या मर्तबा है, और उनकी शिक्षा के महत्व के बारे में जोर देकर कहा कि समाज में बेटियों का एक अलग ही मुकाम होता है। उनकी परवरिश करने वालो को अल्लाह के यहाँ उनका दर्जा बुलंद होता है। उन्होंने आगे कहा कि एक बार एक यहूदी लड़की जंग में बंदी बनाकर के लाई गई तो उसके सर पर दुपट्टा नहीं था जब पैगंबर ए इस्लाम ने उसको देखा तो अपनी कमली हजरत

इस मौके पर उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप-संपादक व मदर टेरेसा फाउंडेशन के जौनपुर ज़िला के चेयर मैन, डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी उर्फ.बाबू भाई ने आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया और सभी से जोर देते हुए कहा की आप सभी लोग शिक्षा के क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा अपना योगदान दे। जो भी बच्चे बच्चिया, किसी भी समाज की हो इंटरमीडिएट करने के बाद उन्हें, अपना किस क्षेत्र में भविष्य बनना है व मदर टेरेसा फाउंडेशन से संपर्क करे। उनकी सारी ट्यूशन फीस की जिम्मेदारी मदर टेरेसा फाउंडेशन लेगा। उसका जो भी मानक है उसे पूरा करते हुए आप आए, हमारा एक ही नारा है उच्च शिक्षा-मुफ्त शिक्षा चाहे उन्हें मेडिकल के क्षेत्र में क्यों न जाना हो या फिर किसी अन्य कोर्स या फिर डिप्लोमा ही क्या ना करना हो। मदर टेरेसा फाउंडेशन आपके के भविष्य के लिए हमेशा खड़ा है। आए हुए अधिवक्ता सुशील गुप्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार रियाजुल को उनके शिक्षा क्षेत्र में अच्छे योगदान के लिए मुफ्ती रहमान के द्वारा सम्मानित किया गया। वही उक्त अवसर पर सभासद शाहनवाज अहमद, अबूजर शेख सभासद, पूर्व सभासद फैसल मंसूरी, पूर्व सभासद सरफराज अहमद, शब्बीर हैदर अम्मार, हाफिज जावेद अंसारी, कलीम अहमद, अभिताश गुप्ता, मोहम्मद अफरीदी, जैन अब्दुल्ला सिद्दीकी, सारा सिद्दीकी आदि लोग भी हुए सम्मानित।

बिलाल को देते हुए, कहा कि इस कमली को ले जाकर के उसको उड़ा दो और आगे कहा कि एक बेटी बेटी होती है चाहे वह दोस्त की हो या दुश्मन की।

शव आते ही घर पर मचा कोहराम

सुजानगंज पुलिस पूरी तरीके से रही मुस्तैद/ शांति पूर्वक निकली शव यात्रा

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर में मृत युवक की लाश जैसे ही मंगलवार देर रात घर पहुंची वैसे ही स्वजनो का रो रो कर बुरा हाल हो गया। प्राप्त जानकारी अनुसार मंगलवार सुबह मछलीशहर में एक युवक महेंद्र सरोज पुत्र उमाशंकर सरोज की मछलीशहर के एक व्यवसायी द्वारा हत्या कर दी गई थी सूचना पाते ही मछलीशहर थाना द्वारा पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लाश को अपने कब्जे में लेते हुए अंत्य परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया था। मंगलवार देर रात मृत युवक की लाश जैसे ही युवक के गांव सुल्तानपुर थाना सुजानगंज में पहुंची तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इस घटना की खबर सुनते ही पूरे क्षेत्र में कोहराम मच गया। युवक की लाश घर आते ही सुजानगंज पुलिस मृत युवक के घर पर मुस्तैद हो गई। बुधवार सुबह युवक का अंतिम संस्कार करने के लिए स्वजन बदलापुर के पिलकिछा घाट पर ले गए इस दौरान उपस्थित बड़ी संख्या में महिलाओ ने रोते बिलखते युवक को अंतिम बिदाई दी। थाना अध्यक्ष सुजानगंज फूलचंद पांडेय तथा सुजानगंज पुलिस की मुस्तैदी के कारण मृत युवक का शांतिपूर्वक शव यात्रा निकली। वही पीड़ित परिवार की मांग है कि दोषियों को किसी भी प्रकार से बक्सा ना जाए। उन्होंने जिलाधिकारी जौनपुर तथा पुलिस अधीक्षक जौनपुर से मांग की कि हमारे साथ न्याय की जाए।

प्रतिबंध के बाद भी पारदर्शी बोतल में धड़ल्ले से दिया जा रहा पेट्रोल

मुफ्तीगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक तरफ सरकार पारदर्शी बोतल में पेट्रोल देने पर रोक लगाई है वहीं दूसरी तरफ नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए ब्लाक क्षेत्र के जौनपुर केराकत राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवाकलपुर गांव स्थित गंगा फिलिंग स्टेशन पर पंप कर्मी द्वारा खुलेआम पारदर्शी बोतलों में पेट्रोल वितरित किया जा रहा है और जिम्मेदार विभाग के कान पर जू तक नहीं रेंग रहा है।

झारखंड का पांच लाख का इनामी नक्सली डाक्टर गिरफ्तार

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। उमेश खेरवार उर्फ डाक्टर को एटीएस ने सोनभद्र में गिरफ्तार किया। उसकी गिरफ्तारी के बारे में

झारखंड के पलामू जिले के पुलिस अफसरों को सूचना देकर उसके बारे में और जानकारी जुटाया जा रहा है। एटीएस को सूचना मिला कि वह एके 47 हथियार से लैस रहता है। वह खूंखार नक्सली है। झारखंड में 2 दर्जन से अधिक नक्सली घटना में शामिल रहा है। झारखंड के पलामू, गढ़वा एवं लातेहार में कई नक्सल घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है। 3 सितंबर को पलामू के मनातू थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में दो जवान शहीद हुए थे। इस घटना का मास्टरमाइंड नगीना सब जोनल कमांडर है। एनआईए और अन्य खुफिया एजेन्सियां भी उससे पूछताछ करने मे जुट गई है।

नई जीएसटी दरें लागू होने के बाद भी अगर दुकानदार पुराने एमआरपी पर ही सामान दे तो क्या करें?

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अगर दुकानदार पुराने एमआरपी पर ही सामान दे तो टोल फ्री नंबर 1800114000 या 1915 पर कॉल कर शिकायत करें।मोबाइल नंबर 8800001915 पर एसएमएस या व्हाट्सएप पर मैसेज करके भी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। NACH एप पर भी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। इसकी ट्रेकिंग भी हो सकती है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की साइट consumerhelpline.gov.in पर रजिस्टर्ड कराकर शिकायत कर सकते हैं। सरकार का निर्देश है कि 22 सितंबर से जो सामान जीएसटी दर घटने से सस?ते हुए हैं, दुकानदारों को उन सामानों को सस्ते दाम पर ही बेचना होगा। यानी कि दुकान में स्टॉक नया हो या फिर पुराना ग्राहक को कटौती का लाभ मिलेगा।

जिलाधिकारी ने मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दृष्टिगत सद्भावना पुल के निकट बनाए गए विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के दृष्टिगत सद्भावना पुल के निकट बनाए गए विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उन्होंने मूर्ति विसर्जन स्थल पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था आदि हेतु अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर को

निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यातायात व्यवस्था सुगमता से संचालित हो इसके लिए वाहनों के आवागमन का रूट चार्ट निर्धारित रहे। इसके अतिरिक्त मूर्ति विसर्जन वाले स्थान पर बैरिकेडिंग भी की जाए जिससे कि लोगों को किसी प्रकार की समस्या न हो। मूर्ति विसर्जन करते समय इस बात का खास ख्याल रखा जाए कि इस दौरान लाउडस्पीकर से अत्यधिक ध्वनि न की जाए। जिलाधिकारी ने किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था, मेडिकल किट, गोताखोर, नाव, सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने संबंध में भी निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नंदन सिंह दुर्गा पूजा के पदाधिकारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में नवीन एनआईसी भवन निर्माण के लिए विधि विधान से किया भूमि पूजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में नवीन एनआईसी भवन निर्माण के लिए विधि विधान से भूमि पूजन किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि नवीन एनआईसी भवन बन जाने से शासनध्जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित वीडियो कांफ्रेंसिंग और जनपद वासियों को डिजिटल सुविधाएं आसानी और पारदर्शिता से उपलब्ध कराने सहित अन्य व्यवस्थाएं सुगमता से संचालित हो पाएंगी। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। उन्होंने मा0 मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार भी व्यक्त किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चैहान, मुख्य राजस्व अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नंदन सिंह, कलेक्ट्रेट के कर्मचारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

डांडिया नृत्य में जमकर झूमीं महिलाएं व बच्चे

शारदीय नवरात्रि डांडिया महोत्सव का भव्य व दिव्य कार्यक्रम आयोजित

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र में नवरात्रि के पर्व पर डांडिया-गरबा के रंग में पूरा शहर रंग गया है। शाहगंज नगर के उत्सव वाटिका परिसर में डांडिया पर महिलाएं व श्रद्धालु झूमते रहे। डांडिया में बंगाल के दुगार्पूजा की भी झलक दिखाई दिया बंगाली पोशाक में महिलाओं ने डांडिया नृत्य कर मां दुर्गा की आराधना किया। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। शारदीय नवरात्रि डंडियां महोत्सव कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग नृत्य करते दिखाई दिए। महोत्सव की शुरूआत पहले मां जगदम्बा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तथा मां दुर्गा के आरती के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक रमेश सिंह और डॉ वेद प्रकाश सिंह ने दिप प्रज्ज्वलित करके किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ देवी प्रसाद पुष्पजीवि उपस्थिति रहे।

महोत्सव के दौरान समिति पदाधिकारी के अलावा समाज की बहनें एवं नन्हीं बच्चियों ने नवरात्र के प्रसिद्ध भजनों के अलावा पारंपरिक गीतों पर जमकर डांडिया खेली और गरबा किया। कार्यक्रम में एक बच्ची में दुर्गा मां के स्वरूप को देखकर सभी का मन मोह लिया। मौके पर समिति की आयोजक अनुपमा अग्रहरि ने कहा कि नवरात्रि शक्ति, भक्ति और आनंद का पर्व है। यह हमें माता दुर्गा की उपासना करने के साथ हीं समाज में एकता प्रेम और उत्साह फैलाने का अवसर प्रदान करता है। और वही आयोजक वेद प्रकाश जायसवाल ने कहा कि डांडिया केवल एक नृत्य ही नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति परंपरा और आनंद का प्रतीक भी है। कार्यक्रम में पहुंचे सभी लोगों का आयोजक धीरज पाटिल ने सभी एक-एक अतिथियों का आभार प्रकट किया कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह कोतवाल शाहगंज गीता प्रदीप जायसवाल ,सुशील सिंह, रवि शंकर चतुवेर्दी डोली जोशी नीलम अग्रहरि, स्वाति अग्रहरि, नम्रता बरनवाल ,नीतू मिश्रा, अनुपम मोदनवाल, रचना जायसवाल, रूपेश गुप्ता मोनू ,रविकांत जायसवाल, किशन अग्रहरी आदि हजारों की संख्या लोगों ने डांडिया नृत्य किया।

'मिशन शक्ति फेज-5' के तहत कस्तूरबा विद्यालय की छात्रा काजल बनी एक दिन की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने हेतु चल रहे 'मिशन शक्ति फेज-5' अभियान के तहत आज एक अनोखी पहल देखने को मिली। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, धमार्पुर की छात्रा काजल बेनवंशी (कक्षा-8) को एक दिन के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जौनपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई। एक दिवसीय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के रूप में काजल ने निर्देश दिया कि सभी कस्तूरबा विद्यालयों में बच्चों को मीनू के अनुसार पौष्टिक भोजन दिया जाए, विद्यालय परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए और शिक्षा गुणवत्तापरक हो। उन्होंने कहा कि छात्राओं की शिक्षा और स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

काजल ने जिला समन्वयक (निर्माण) को भी सख्त निर्देश दिए कि प्रधान द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और किसी भी प्रकार की गलती न होने पाए। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल, जिला समन्वयक (बा.शि.) श्रीमती शोभा तिवारी, जिला समन्वयक (निर्माण) रजा हसन, जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) श्रीमती वार्डिन, वार्डन वीणा उपाध्याय, शिक्षक शशिधर उपाध्याय, लेखाकार शशि (कस्तूरबा विद्यालय महराजगंज), अनुपमा मौर्या (कस्तूरबा विद्यालय धमार्पुर), अंग्रेजी की पूर्णकालिक शिक्षिका रेखा यादव सहित विद्यालय की कई छात्राएँ शालू, खुशी, उजाला और स्नेहा उपस्थित रहीं। 'मिशन शक्ति फेज-5' की इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और शिक्षा के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यप्रणाली से परिचित कराना है। यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि बेटियाँ भी समाज में नेतृत्व की बड़ी भूमिका निभा सकती हैं।

पीयू में मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस

मदर टेरेसा सेवा और मानवता की थीं सच्ची प्रतिमूर्ति: प्रो.प्रमोद यादव

शिक्षा के साथ सेवा भी प्रदान करता है एनएसएस: डॉ.राज बहादुर यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्थापना

दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना भवन मं। स्थित मदर टेरेसा की प्रतिमा पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता, प्रोफेसर प्रमोद कुमार यादव ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रो. यादव ने कहा कि मदर टेरेसा सेवा और मानवता की सच्ची प्रतिमूर्ति रही हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना उन्हीं के आदर्शों पर चल कर समाज, गांव एवं राष्ट्र को एक उत्कृष्ट दिशा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर डॉ. राज बहादुर यादव, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 24 सितम्बर 1969 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्मशताब्दी के अवसर पर युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया था। राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा भाव और नेतृत्व क्षमता विकसित करना है। साथ ही साथ ग्राम्य विकास, स्वच्छता, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता जैसे क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना। इस अवसर पर डॉ. अवधेश कुमार मौर्य, डॉ शशिकांत यादव, विजय मौर्य, प्रभात तिवारी, सुमित सिंह, अभिनव कीर्ति पाण्डेय, अमन, तितिक्षा, यशंशी, रानी सिंह, प्रियांशी, सुभा, उजाला अंशी, खुशी, सोनाली सहित एनएसएस के स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं एवं छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

फजीर्वाड़ा रोकने के लिए रजिस्ट्री विभाग में नई व्यवस्था लागू, ओटीपी भेजकर किया जायेगा सत्यापन

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। जमीन की खरीद-फरोख्त में फजीर्वाड़ा रोकने के लिए रजिस्ट्री विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। अब रजिस्ट्री की हर प्रक्रिया में खरीदार और विक्रेता दोनों के मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजकर सत्यापन किया जाएगा। साथ ही कृषि भूमि की रजिस्ट्री के लिए ग्राम कोड और खतौनी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि फर्जी नाम, नकली दस्तावेज और जालसाजी की गुंजाइश न बचे। नए नियम के मुताबिक जमीन बेचने या खरीदने वाले हर पक्षकार के मोबाइल नंबर पर वन-टाइम पासवर्ड यानी ओटीपी भेजा जाएगा। इस ओटीपी से ही दस्तावेजी कार्रवाई आगे बढ़ेगी, ताकि बिना पक्षकार की सहमति या फर्जी दस्तावेजों से दर्ज होने वाली रजिस्ट्री की संख्या को रोका जा सके। इसके अलावा, कृषि भूमि की लेन-देन में ग्राम कोड और खतौनी संख्या को अनिवार्य रूप से पत्रों में दर्ज करवाना होगा। ये दोनों सूचकांक जमीन की स्थिति व दस्तावेजी पहचान सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। यह नीति विशेष रूप से उन जिलों में लागू होगी जहां खसरा-खतौनी दस्तावेजों में अस्पष्टता या जालसाजी की शिकायतें अधिक हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में प्रति वर्ष लगभग 50 लाख रजिस्ट्री हो रही हैं। इनमें से रजिस्ट्री में फर्जी नाम, फर्जी पैन/फर्जी आधार या नाम-पते का दोहराव जैसी काफी अनियमितताएं सामने आ रही हैं। कुछ समय पहले ही एक गिरोह पकड़ा गया, जिसने 1500 से अधिक आधार, नाम, पते, जन्म-तिथि आदि में हेरफेर किया है। ये लोग नकली दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड आदि का उपयोग कर आधार में बायोमीट्रिक बदलाव कर रहे थे। इसके जरिये रजिस्ट्री कराते समय व्यक्ति कोई और होता है और जिसके नाम रजिस्ट्री होती है वो कोई और होता है। इसके जरिये बड़े पैमाने पर कालेधन को खपाया जाता है।

ऐसे होगा सत्यापन: -संपत्ति खरीदने और बेचने वाले जितने भी लोग हैं, सभी के मोबाइल फोन ओटीपी के जरिये सत्यापित होंगे। संपत्ति खरीदने वाले के पैनकार्ड वैधता की जांच मौके पर ही करने के निर्देश। पैनकार्ड को एनएसडीएल की वेबसाइट में जाकर चेक किया जा रहा है। अगर कृषि भूमि है तो ग्राम कोड से चेक किया जा रहा है। वहीं खतौनी का विवरण पहले से ही लिया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या, परिजनों में मचा कोहराम

पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत ठकठौलिया गांव में एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में रस्सी के सहारे घर के अंदर बीती रात फांसी के फंदे पर झूल कर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। क्षेत्र के ठकठौलिया गांव निवासी 21 वर्षीय धीरज यादव पुत्र अशोक कुमार यादव ने मंगलवार की रात में घर से खाना खा कर अपने वाटर प्लांट पर रोज की भांति सोने के लिए गया हुआ था। लेकिन जब सुबह घर के सदस्य जगाने के लिए प्लांट पर गये तो देखा कि धीरज कमरे के अंदर रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर लटका हुआ है। आनन-फानन में परिजनों ने उसे नीचे उतारा लेकिन तब तक धीरज की मौत हो चुकी थी। वहीं धीरज दो भाई हैं। बड़े भाई नीरज ने बताया की घर में कोई बात नहीं थी। आखिर क्यों ऐसा कदम उठाया। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया।जवान बेटे की मौत से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। आखिर धीरज ने क्यों आत्महत्या किया ऐ पहेली बना हुआ है।

रामपुर में विद्युत विभाग की टीम पर जानलेवा हमला, पुलिस ने बचाई एसडीओ-जेई की जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर थाना क्षेत्र के धनुहां गांव स्थित सकरा रोड पर मंगलवार की दोपहर विद्युत विभाग की टीम पर उपभोक्ताओं ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में एसडीओ मुरलीधर मौर्य और जेई सत्येंद्र प्रसाद राम बाल-बाल बच गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अधिकारियों को सुरक्षित निकाला।

जानकारी के अनुसार, सोमवार को एसडीओ को शिकायत मिली थी कि एक दुकान पर 1 किलोवाट कनेक्शन के स्थान पर 5 किलोवाट से अधिक लोड चलाया जा रहा है और वहां का डिजिटल मीटर उखाड़कर गायब कर दिया गया है। चेतावनी के बाद मंगलवार को जब टेक्नीशियन मीटर लगाने पहुंचा तो दुकानदार नंदलाल तिवारी, उसके पुत्र और एक पड़ोसी युवक ने मीटर लगाने का विरोध करते हुए गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ने पर एसडीओ और जेई मौके पर पहुंचे। आरोप है कि दुकानदार ने मोबाइल छीन लिया और दोनों अधिकारियों पर जानलेवा हमला कर दिया। विद्युत विभाग की सूचना पर पुलिस पहुंची और किसी तरह स्थिति को काबू में किया।

विद्युत विभाग ने दुकान की बिजली काट दी है। वहीं, अधिकारियों ने सरकारी कार्य में बाधा डालने और जानलेवा हमले के आरोप में थाने में तहरीर देने की बात कही है।

सर्प दंश से मौत के बाद मिला आर्थिक सहायता का स्वीकृति पत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विगत दिनों सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लखमीपट्टी निवासी सियाराम जी पुत्र स्नेही का सर्प दंश से निधन हो गया था। दुख की इस घड़ी में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग उ0 प्र0 गिरीश चन्द्र यादव के द्वारा लखमीपट्टी गांव जाकर शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर संवेदनायें प्रकट करते की और सर्प दंश से मृतक सियाराम जी की पत्नी रितु यादव को राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत रु.4,00,000 (चार लाख) की आर्थिक सहायता का स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया। राज्यमंत्री ने मृतक के परिवार को हर संभव मदद करने का भरोसा भी दिलाया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्यामबाबू यादव, उप जिलाधिकारी सदर सन्तवीर सिंह, निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष राजकेसर पाल, मनीष श्रीवास्तव व सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

इसबार जीएसटी मुक्त होगा त्योहार : सांसद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में इस बार दशहरा, दिपावली व छठ पूजा जीएसटी मुक्त रहेगा। जीएसटी में राहत से पूजा की थाली सजेगी। उक्त बाते बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज लोक सभा के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कही। उन्होंने कहा कि अब त्योहार में जेब पर बोझा नहीं होगा।यही कांग्रेस है, जिसके समय मिठाई पर भी 21 प्रतिशत टैक्स लिया जाता था।मोदी सरकार में इसे केवल पांच प्रतिशत टैक्स पर ला दिया गया है। यानी अब सौ रुपए की मिठाई की खरीद पर सीधा 16 रुपए की बचत होगी। इसबार व्रती के लिए फलहार या व्रत वाली थाली भी सस्ती होगी। इन थालियों में आमतौर पर मक्खन, पनीर, खजूर, ड्राइ फ्रुट्स, फल, घी का उपयोग किया जाता है। इन चीजों पर लगने वाला टैक्स तो हटा दिया गया है या काफी कम कर दिया गया है। पूजा में उपयोग होने वाले सामान जैसे वनस्पति तेल, घी, चीनी, मिठाई, छेना, पनीर, इस सभी जीजों पर मात्र पांच प्रतिशत जीएसटी कर दिया गया है। हम बिहारवासियों के लिए मैं त्योहार का उल्लास डबल होने वाला र है।इसका सीधा सा गाणित है कि जहां पहले पूजा से जुड़ी थाली तैयार करने . में पहले दो सौ खर्च आता था, वहीं इसबार दुगार्पूजा, दिपावली में पूजा की थाली भरी होगी। छठ पर छठ का डाला पहले से ज्यादा भरा-भरा होगा।

नि:शुल्क आंख जांच शिविर संपन्न, मुफ्त में दी गई दवाइयां

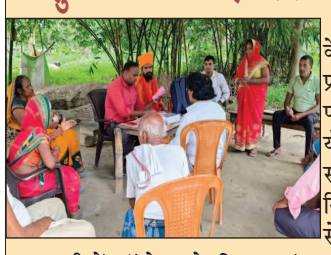

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत दरौंदा प्रखंड के मरदनपुर गांव के ब्रह्मस्थान पर गुरुकुल प्ले स्कूल के प्रांगण में योग प्रचारक अंगद महाराज के सौजन्य से सैकड़ो लोगों को फ्री में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से लोगों को आंखों का जांच किया गया। फ्री में ऑपरेशन के लिए अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल में भेजने की रणनीति तैयार की गई। फिजिशियन डॉक्टर के द्वारा जांच के बाद मरीजों को आवश्यक दवाओं का फ्री में वितरण किया गया । शिविर में लोग मौजूद थे। बच्चों को योगी अंगद जी महाराज कलम कॉपी का वितरण किया। मौके पर अजय सिंह स्वीटी कुमारी ,नेहा कुमारी, जीवन कुमार , राधा कुमारी ,गुड़िया देवी, मदन प्रसाद ,हरिशंकर यादव, लालकृष्ण सिंह आदि लोग मौजूद थे।

नागपुर ग्रामीण पुलिस ने पकड़ी गांजा या अमली पदार्थ की बिक्री

नागपुर। गांजा या अमली पदार्थ की बिक्री करना-या माता-पिता के विरोध में ग्राम वढोडा पो. स्टे. मौदा हददीत नागपुर ग्रामीण के लिए पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई। 22 सितंबर 2025 को अमली पदार्थ विरोधी पथक नागपुर ग्रामीण हे पो.स्टे मौदा हददीत गश्त कर रहा था तभी उन्हें गोपनीय मुखबिर से जानकारी मिली कि, एक व्यक्ति और एक महिला ग्राम वडोदा पो.स्टे. मोहदा हददीत में अपने घर से मादक पदार्थ ग्राहकों को बेच रहे हैं। उनके अनुसार, वरिष्ठों के मार्गदर्शन में कानूनी कार्रवाई करने के लिए नामित आरोपी राहुल नामदेव ढकरे उम्र 32 वर्ष और उसकी पत्नी का नाम शोभा नामदेव ढकरे उम्र 62 वर्ष रा. शहिद चौक, वडोदा, तह. कामठी जि. नागपुर है। जब उनके घर पर पंचनामा तलाशी ली गई, तो कुल 4.225 कि.ग्रा. गांजा कीमती 42,250 रु., उपयोग में लाए गए 02 मोबाइल, गांजा बिक्री से प्राप्त नगद और घर के अंदर गांजा बेचने के लिए उपयोग किया गया। साहित्य, आदि, कुल 1,41,000/- रुपये का सामान जब्त कर लिया गया।

नामित आरोपी के विरुद्ध पो.स्टे. मौदा में अपराध क्र. 753/2025 धारा 8 क, 20 ब, 11 अ, 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उक्त कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक नागपुर ग्रामीण हर्ष पोद्दार, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल मस्के, सहाय्यक पुलिस अधीक्षक और उप विभागीय पुलिस अधिकारी संतोष गायकवाड, कन्हांन उपविभाग के मार्गदर्शन में सपोनि. अजीतसिंग देवर, पो.उ.नि. प्रविण भिमटे, पोहवा प्रविण देवर, अमृत किंगे, प्रकाश ढोंके, दिनेश गजभीये, पो.अ.अमोल नगरे, पो.शि. अनिल खरखडे, तुषार गजभीये, राजकुमार सागर अमली पदार्थ विरोधी पथक नागपुर ग्रामीण ने किया है।

अधिवक्ता समिति के नव निर्वाचित अध्यक्ष व महामंत्री सहित कार्यकरिणी के सदस्यों ने ली शपथ

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वादकारियों और फरियादियों की दिक्कतों और समस्याओं के साथ साथ बार और बेंच का आपसी समन्वय आवश्यक है जिससे सभी को समय से न्याय का मार्ग प्रसस्त हो सके। उक्त बातें बुधवार को स्थानीय तहसील सभागार में अधिवक्ता समिति के नव निर्वाचित अध्यक्ष और महामंत्री सहित समस्त कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव ने अधिवक्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा की उम्मीद करते है युवा अध्यक्ष और महामंत्री सहित पूरी कार्यकारिणी बार और बेंच में समन्वय स्थापित कर वादकारियों के लाभ का प्रयास करेंगे। वही अध्यक्ष लालचंद गौतम ने भरोसा दिलाया की अधिवक्ताओं के हित के लिए संघर्ष जारी रहेगा।और उनके हित के लिए कार्य किया जाएगा। दूसरी तरफ नव निर्वाचित महामंत्री राजीव सिंह डब्लू ने कहा की अधिवक्ताओं के हितों से जो खिलवाड़ करेगा उसे वैसे ही जवाब दिया जाएगा।एक सवाल के जवाब में महामंत्री राजीव सिंह ने कहा की बुजुर्ग और नए अधिवक्ताओं जिनकी प्रैक्टिस कम चल रही है उनकी आर्थिक मदद के लिए अगले बैठक में प्रस्ताव लाया जाएगा। शपथ ग्रहण में अध्यक्ष लाल चन्द गौतम,महामंत्री राजीव सिंह डब्लू, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार यादव,सहमंत्री जय प्रकाश यादव,आडिटर प्रदीप कुमार श्रीवास्तव,कोषाध्यक्ष कल्पनाथ यादव,कार्यकारणी सदस्य में अर्जुन सिंह, महेंद्र यादव,विजययादव, वीरेंद्र यादव,मो. ताहिर, राकेश कुमार,अजय बिंद को वरिष्ठ अधिवक्ता व चुनाव अधिकारी राम मगन द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष राजदेव यादव ने किया। उक्त अवसर पर अधिवक्ता शारिक खान,विक्रम सिंह, कफील अहमद, अंकित सिंह, राजीव श्रीवास्तव, गयासुद्दीन, अंकित भारद्वाज, अंकित कुमार, सहित गणमान्य उपस्थित रहे।

बेहद अनोखे रूप में खाटू श्याम मंदिर का भव्य दरबार बना है आकर्षण का केंद्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के नई सड़क स्थित सनातन धर्म इंटर कॉलेज मैं इस बार दुर्गा पूजा पंडाल में बेहद अनोखे रूप में खाटू श्याम मंदिर का भव्य दरबार बनाया जा रहा है। यह सनातन धर्म इंटर कॉलेज के दुर्गा समिति का 45 वा वर्ष है। हर साल की तरह इस बार भी श्रद्धालु चार दिनों तक दर्शन कर सकेंगे। पंडाल की सबसे बड़ी विशेषता इलेक्ट्रॉनिक मूर्तियां हैं, जो श्रद्धालुओं के सामने 5 मिनट का शो प्रस्तुत करेंगी। इस बार सम्पूर्ण अर्धनारीश्वर स्वरूप की 25 फुट की प्रतिमा स्थापित की जाएंगी । इसके अलावा श्रद्धालु पहली बार रक्तबीज राक्षस और मां काली का अद्भुत दृश्य देखेंगे। इस बार शिव जी मां काली को शांत करते हुए दिखाई देंगे। पहली बार ब्रह्मा जी की झांकी दर्शकों के सामने पंडाल में होगी। दशमी तक यह पंडाल खुला रहेगा भक्त यहां आकर दर्शन कर सकेंगे।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बिहार में चार नए बैंकिंग आउटलेट्स के साथ अपनी उपस्थिति का विस्तार किया

बिहार। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) ने समस्तीपुर, कैमूर में चार और अररिया में दो नए बैंकिंग आउटलेट्स के उद्घाटन की घोषणा की है, जिससे बिहार में इसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। इन लॉन्च के साथ, बैंक के बिहार में 279 और देश भर में 1,103 बैंकिंग आउटलेट्स हो गए हैं।

समस्तीपुर, कैमूर और अररिया के निवासियों को बचत खाते, चालू खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा सहित बैंकिंग उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का लाभ मिलेगा। बैंक विभिन्न ऋण उत्पाद भी प्रदान करता है, जैसे आवास ऋण, व्यवसाय ऋण, संपत्ति पर ऋण, ऋण, बीमा और निवेश उत्पाद। बैंक का बुनियादी ढांचा, डिजिटल बैंकिंग क्षमताएँ और एटीएम नेटवर्क एक सहज बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित करते हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ, श्री गोविंद सिंह ने कहा, ह्लबिहार हमेशा से हमारे लिए एक प्रमुख बाजार रहा है। इन चार नए आउटलेट्स के साथ, हम न केवल अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि परिवारों और उद्यमियों को ऋण प्राप्त करने, सुरक्षित बचत करने और अपना भविष्य बनाने में सक्षम बना रहे हैं। हमारा उद्देश्य बैंकिंग को हमारे द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले प्रत्येक समुदाय के लिए सरल, सुलभ और प्रभावशाली बनाना है। ये बैंकिंग आउटलेट्स, वंचित या कम आय वाले व्यक्तियों या समूहों को, जिनकी वित्तीय सेवाओं तक पहुँच सीमित है, व्यवसाय विकास सेवाओं के लिए माइक्रो-बैंकिंग ऋण प्रदान करेंगे। समूह ऋण के संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) मॉडल में एक सहकर्मी-गारंटी ऋण मॉडल शामिल है, जो व्यक्तियों को व्यक्तिगत आधार पर बिना किसी संपार्श्विक या सुरक्षा प्रदान किए ऋण लेने में सक्षम बनाता है, साथ ही समूह के भीतर आपसी सहयोग के माध्यम से ऋण अनुशासन को बढ़ावा देता है और उनके ऋणों का शीघ्र पुनर्भुगतान करताहै। ग्राहक बैंकिंग आउटलेट्स,माइक्रोएटीएम (बैंकिंग समय के दौरान), इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और कॉल सेंटर जैसे विभिन्न माध्यमों से बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक ग्राहकों को टैबलेट-आधारित एप्लिकेशन-सहायता प्राप्त मॉडल, डिजी ऑन-बोर्डिंग के माध्यम से बैंकिंग आउटलेट पर जाए बिना बैंक खाता

नीमा शाहगंज ने मनाया आयुर्वेद दिवस, नीमा के दो सदस्य किये गये सम्मानित

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 23 सितम्बर 2025 राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मानाने की परम्परा आयुष मंत्रालय ने आरम्भ की है,आयुष मंत्रालय भारत सरकार ने ये तै किया है की अब 23 सितम्बर को हर वर्ष आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा !इसी क्रम में नीमा शागंज ने आयुर्वेद डे का आयोजन बजरंग चिकित्सालय सेंट थॉमॉस रोड शाहगंज में डॉ जे पी सेठ की अध्यक्षता में किया !इस औसर पर डॉ मोहम्मद हामिद और डॉ बलवन्त सिंह को स्मिरित चिन्ह देकर और शाल पहना कर सम्मानित किया गया। इस औसर पर प्रोग्राम के आयोजक डॉ.अतुल यादव ने बताया की पहले हर वर्ष धन्तेरस के दिन आयुर्वेद दिवस मनाया जाता था जिस में भगवान धन्वंतरि,आयुर्वेद के जननायक की पूजा अर्चना की जाती थी मगर धन्तेरस के दिन की तारीख आगे पीछे हो जाती थी इस लिए आयुष मंत्रालय भारत सरकार ने अब ये निश्चित किया कि अब हर वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। 23 सितम्बर के महत्व के बारे में उन्होंने ने बताया कि ये ऐसी तारीख है जिस में रात और दिन बराबर होते हैं, इसी तारीख से अब दिन छोटा और रात बड़ी होना शुरू होगी मतलब ये कि अब हम मौसम के शीत काल की तरफ धीरे धीरे बढ़ रहे होंगे, और जब मौसम गर्मी और वर्षा से निकल कर शीत काल की तरफ जाता है तो शरीर मे कई तरह की बीमारियां जन्म लेती हैं जिस से हम चिकित्सकों का दायित्व और बढ़ जाता है। इस औसर पर सभी उपस्थिति सदस्यों को तुलसी के पौधों का वितरण किया गया। इस औसर पर डॉ.शरफुद्दीन आजमी, डॉ.अशोक कुमार सिंह,डॉ .कृपा शंकर यादव,डॉ.जे पी सेठ,डॉ.जुल्फेकार,डॉ बलवंत सिंह,डॉ हामिद,डॉ खुर्शीद आलम डॉ.अतुल यादव,डॉ. जुल्फेकार,डॉ.मनीष के अलावा नीमा शाहगंज के अन्य सदस्य मौजूद थे।

ओवरलोड एवं मशीन खराब का दंश झेलता खुटहन

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पावर हाउस खुटहन सुईथाकला फीडर के कार्यालय पर जाकर क्षेत्र के लोगों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बिजली की सही आपूर्ति की मांग किया। ज्ञात हो कि विगत कुछ माह से खुटहन क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बिल्कुल गायब है जिससे क्षेत्र के लोगों का कहना है कि मोबाइल चार्ज तक नहीं हो पाता है ऐसे में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है दर्जनों की संख्या में पहुंचे क्षेत्र के लोगों ने पावर हाउस सुईथाकला फीडर पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तत्काल चौबीस घंटे बिजली आपूर्ति की मांग की। समाजसेवी विनोद कुमार प्रजापति ने विरोध प्रदर्शन के बाद प्रेस वार्ता में बताया कि अधिकारियों से दूरभाष पर बात हुई तो अधिकारियों ने 24 घंटे का वक्त मांगा है और कहां की ओवरलोड एवं मशीन खराब होने से बिजली आपूर्ति में दिक्कत आ रही है जिसे जल्द सही कर लिया जाएगा और जनमानस को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उक्त प्रदर्शन में मनोज अग्रहरि अनिल गुप्ता लालमन गुप्ता संदीप अग्रहरि चौथी गुप्ता विकास अग्रहरि पिंटू गुप्ता उमेश अग्रहरि अशोक अग्रहरि मनीष यादव उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज जौनपुर में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

17 सितम्बर से 02 अक्टूबर के अन्तर्गत दन्त रोग विभाग में मुख कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेडिकल कालेज जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के मार्ग दर्शन में डा० पूजा पाठक, नोडल अधिकारी, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान एवं डा० ले० कर्नल सी०बी०एस० पटेल, विनागाध्यक्ष दन्त रोग विभाग के संयुक्त सहयोग से दन्त रोग विभाग में मुख कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मुख कैंसर आज के समय की एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जिसका प्रमुख कारण तंबाकू, गुटखा, पान मसाला, धूम्रपान तथा शराब सेवन है। उन्होंने कहा कि प्रारम्भिक चरण में ही दांतों, मसूड़ों और मुख के अंदर किसी भी प्रकार की गांठ, घाव, सफेद या लाल दाग को नजर अंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लें। विभागाध्यक्ष ने यह भी बताया कि समय-समय पर दन्त परीक्षण से कैंसर की संभावना को कम किया जा सकता हैं और समय रहते उपचार संभव हो जाता है। सामान्यतः मुख कैंसर मुख के अलग-अलग हिस्सों में हो सकता है, जैसे होंठ का कैंसर, जीभ का कैंसर, गाल के अंदर का कैंसर, मसूड़ों का कैंसर तालू का कैंसर, मुंह के फर्श का कैंसर इत्यादि प्रकार का हो सकता है। इन सभी प्रकार के कैंसर से बचाव के लिए तंबाकू, गुटखा, पान मसाला, धूम्रपान और शराब का सेवन न करें, साफ-सफाई रखें, रोजाना दो बार दांत साफ करें और कुल्ला करें। संतुलित आहार लें-फल, हरी सब्जियों और विटामिन युक्त भोजन कैंसर से बचाव में मददगार है। होंठ के कैंसर से बचने के लिए लंबे समय तक धूप में रहने पर लिप बाम या सुरक्षा का प्रयोग करें। स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ-तनाव कम करें, व्यायाम करें और पर्याप्त नींद लें। डा० हीरा इस्माइल ने पायरिया एवं ब्रशिंग की सही विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पायरिया एक सामान्य दंत रोग है, जिसमें मसूड़ें कमजोर हो जाते हैं. खून आने लगता है और दांत हिलने लगते हैं। यदि समय पर इसका उपचार न कराया जाए तो दांत गिरने तक की स्थिति बन सकती है। डा० इस्माइल ने ब्रशिंग की सही पद्धति समझाते हुए कहा कि दांतों को प्रतिदिन सुबह और रात में सोने से पहले ब्रश करना आवश्यक है। ब्रश करते समय हल्के हाथ से गोलाई में ब्रश करना चाहिए ताकि दांतो व मसूड़ों दोनों की सफाई हो सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि मीठे खाद्य पदार्थों के सेवन के बाद कुल्ला अवश्य करें नियमित अंतराल पर दंत चिकित्सक से जांच कराएँ और तंबाकू, गुटखा व पान-मसाला जैसी हानिकारक वस्तुओं से दूर रहें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में जागरूकता का संदेश पहुंचाना है कि परिवार और समुदाय मिलकर मुख कैंसर से बचाव में भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर चिकित्सक डा० विनोद कुमार, डा० अरविंद पटेल, डा० अंजलि गुप्ता, डा० नितिन गुप्ता, डा० प्रियांशी यादव, डा० संदीप कुमार सिंह तथा नर्सिंग अधिकारी- अनीता पटेल, नितीश कुमार गुप्ता, पंकज कुमार व एम०पी०डब्ल्यू हेल्थ कर्मचारी, राजानन्द यादव तथा मरीज व उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

राजस्व मंत्री के निर्देश पर अतिरिक्त जिलाधिकारी सप्ताह में एक दिन वसई में होंगे उपस्थित

वसई। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पालघर जिले के अतिरिक्त जिला कलेक्टर को सप्ताह में एक दिन वसई में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। यह निर्णय भाजपा विधायक राजन नाइक की मांग के बाद लिया गया है, जिससे वसई तालुका के नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

वर्तमान में वसई तालुका के नागरिकों को अपने अपील मामलों की सुनवाई के लिए पालघर जिला कलेक्टर कार्यालय जाना पड़ता है, जिससे उन्हें न केवल पूरा दिन खर्च करना पड़ता है, बल्कि आर्थिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि पालघर जिले में दायर अपीलों में 70 से 80 प्रतिशत मामले वसई तालुका से संबंधित होते हैं, क्योंकि यह तालुका जनसंख्या के लिहाज से सबसे बड़ा है। इसी पृष्ठभूमि में विधायक राजन नाइक ने मंत्री बावनकुले से मांग की थी कि सुनवाई की प्रक्रिया वसई में ही आयोजित की जाए। इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने निर्देश दिया है कि हर सप्ताह बुधवार या गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर वसई में उपस्थित रहेंगे। राजस्व मंत्री ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) को इस संबंध में तत्काल सरकारी आदेश जारी करने के निर्देश भी दिए हैं। इस निर्णय से वसई के नागरिकों को न्यायिक प्रक्रिया में सुविधा मिलेगी और समय व धन की बचत भी होगी। इस बारे में जानकारी देते हुए जिला भाजपा महासचिव मनोज बारोट ने बताया कि यह निर्णय आम जनता के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने नागरिकों के समक्ष रखी ओसी की बात, अभ्यास समिति ने किया सम्मानित

मुंबई। मुंबई शहर की हजारों ओसी (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) विहीन इमारतों के नागरिकों की कठिनाई के संबंध में जानकारी देने और किराए की इमारतों (टेनेंटेड बिल्डिंग्स) के संबंध में आगे की दिशा तय करने के लिए पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने एक वार्ता सत्र में अपनी बात रखी। इसमें ओसी के लिए आ रही दिक्कतों, ओसी विहीन इमारतों के निवासी नागरिकों में फैलते असंतोष और डर की स्थितियों व ओसी के लिए आसान रास्तों की संभावनाओं पर उन्होंने विस्तार से जानकारी दी। बता दें कि भाजपा के मुम्बई अध्यक्ष अमीत साटम द्वारा ओसी के लिए होती दिक्कतों का सरकारी स्तर से तोड़ निकालकर कोई सुलभ रास्ता निकलवाने के लिए जनसेवक गोपाल के नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले दिनों एक कमिटी गठित की थी। भाजपा 'ओसी अभ्यास कमिटी' के एड. अमित मेहता, आर्किटेक्ट अरविंद नंदापुरकर तथा आर्किटेक्ट तरुण भाई मोटा भी जनसेवक गोपाल शेट्टी के नेतृत्व वाली टीम के सदस्य हैं जो जनसेवक गोपाल शेट्टी के वार्ता सत्र के दौरान उपस्थित थे। इस वार्ता सत्र में जनसेवक गोपाल शेट्टी को लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा प्रदान कर ओसी अभ्यास समिति के सदस्यों ने सम्मानित किया। इससे पूर्व ओसी के प्रश्न पर ही संघर्ष कर रहे जनसेवक गोपाल शेट्टी को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया था। अब पुनः ओसी के कार्यों में तत्परता व गतिशीलता लाने के लिए शेट्टी को सम्मानित किया गया है।

यूपी के 558 मदरसों की ईओडब्ल्यू जांच पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देश के क्रम में 558 सहायता प्राप्त मदरसों के खिलाफ चल रही आर्थिक अपराध शाखा की जांच पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव एवं न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने आदेशों पर रोक लगाते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के साथ शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। साथ ही मामले पर अगली सुनवाई के लिए 17 नवंबर की तारीख लगाई है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मोहम्मद तलहा अंसारी की शिकायत के आधार पर महानिदेशक आर्थिक अपराध शाखा को इस मामले में जांच के लिए कहा था। इस पर वाराणसी के टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया व दो अन्य की याचिका दाखिल कर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के गत 28 फरवरी, 23 अप्रैल और 11 जून के आदेशों को रद्द करने की मांग की गई है, जिनमें शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने और कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। याचिका में बीते 23 अप्रैल के उस सरकारी आदेश को भी रद्द करने की मांग की गई है। जिसके तहत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के उक्त निदेशों के बाद आर्थिक अपराध शाखा द्वारा 558 सहायता प्राप्त मदरसों की व्यापक जांच की जा रही है। कहा गया है कि मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की धारा 12 के तहत आयोग के कार्य विशेष रूप से गिनाए गए हैं।

अधिनियम की धारा 36(2) स्पष्ट रूप से यह बताती है कि आयोग किसी भी मामले की जांच उस तारीख से एक वर्ष की समाप्ति के बाद नहीं करेगा। जिस तारीख को मानवाधिकारों के उल्लंघन का कोई कार्य हुआ था। यह भी तर्क दिया गया कि धारा 12-ए के तहत आयोग स्वतः संज्ञान से या किसी पीड़ित या उसकी ओर से किसी व्यक्ति की याचिका पर या किसी न्यायालय के किसी निर्देश या आदेश के आधार पर जांच कर सकता है। इस मामले में धारा 12-ए के तहत कोई भी शर्त लागू नहीं होती है। यह भी कहा गया कि शिकायत में मानवाधिकारों के उल्लंघन के कार्य की तारीख का उल्लेख नहीं है। शिकायत में दिए गए आरोप अस्पष्ट है और किसी विशिष्ट तारीख का खुलासा नहीं करते हैं। इसलिए यह पता लगाना संभव नहीं है कि शिकायत मानवाधिकार उल्लंघन की तारीख से एक वर्ष के भीतर की गई थी या नहीं,ऐसे में तर्क दिया आयोग की पूरी कार्रवाई अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

पूर्व विधायक ने जीएसटी मामले पर सरकार की खुले दिल से किया प्रशंसा

-गुड़िया बिन्द

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत भाजपा के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली) पर सरकार की खुले दिल से प्रशंसा किया है। उन्होंने कहा कि जनता भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस पहल की खूब सराहना कर रही है। जीएसटी लागू होने के बाद व्यापार में पारदर्शिता आई है और टैक्स की प्रक्रिया सरल और सुगम हो गई है। पूर्व विधायक ने बताया कि सरकार द्वारा समय-समय पर जीएसटी दरों में बदलाव करना आम जनता और व्यापारियों दोनों के लिए राहत भरा कदम रहा है। इससे न केवल व्यापारिक गतिविधियों में बढ़ावा मिला है,बल्कि उपभोक्ताओं को भी फायदा हुआ है। आम व्यक्ति के जीवन में बदलाव आया है। सरकार ने आर्थिक सुधारों में लगातार प्रयास किए हैं और हमारी सरकार भविष्य में भी व्यापारियों के हित सुधार करती रहेंगी। इससे देश के जीडीपी में भी आगे के दिनों में भारी बढ़ोत्तरी देखने को मिलेगी साथ ही स्वदेशी उत्पाद को भी बल मिलेगा,समय की मांग है कि हम सभी लोग स्वदेशी उत्पादों के साथ जुड़े और उसका उपभोग करे।

सायन कोलीवाड़ा में मां विंध्यवासिनी मंदिर पर उमड़ी भक्तोंभीड़

-प्रेम चंद मिश्रा

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। सायन कोलीवाड़ा म्हाडा कॉलोनी स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर में शारदीय नवरात्रि पर दिनांक 22 सितम्बर 2025 दिन सोमवार को श्रद्धालुओं का दर्शन करने के लिए भारी भीड़ देखने को मिली उसी क्रम में 23 सितम्बर मंगलवार को मां ब्रह्मचारिणी का दर्शन कर भक्तों मे खास कर महिलाओं ने पूजा अर्चना कर भजन गा कर नृत्य किया। दिनांक 24 दिसम्बर दिन बुधवार तृतीय मां चंद्रघंटा को माला फूलों से सजा कर पूजा अर्चना की गई। मां विंध्यवासिनी मंदिर के प्रबंधक भरत भाई शुक्ला ने बताया की मां विंध्यवासिनी देवी का दरबार फूल मालाओं से और झालर आदि से सजाया गया है। कलश स्थापना बुधवार को सुबह 5:00 बजे मंदिर में संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि पूरे नवरात्रि भर महिलाएं दोपहर 2:00 से शाम 5:00 बजे तक भजन कीर्तन करेंगी। बता दे मां विंध्यवासिनी की प्रतिमा मिजार्पुर आराध्य देवी मां विंध्यवासिनी मंदिर से लाया गया है। मंदिर के प्रबंधक भरत भाई शुक्ला ने बताया कि हमारा एक सपना था कि मां विंध्यवासिनी का दर्शन लोग मुम्बई में करें। जो व्यक्ति उत्तर प्रदेश मिजार्पुर नहीं पहुंच सकते हैं वे मुंबई में सायन कोलीवाड़ा में स्थित म्हाडा कॉलोनी में मां विंध्यवासिनी का दर्शन करें मां विंध्यवासिनी की अपार कृपा से हमारा मिशन सफल हुआ साथ ही साथ मेरा सपना भी साकार हुआ मंदिर में नवरात्रि के उपलक्ष में 9 दिन तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहेंगे। यह जानकारी भरत शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

विदेश मंत्रालय ने ईरान में जॉब स्कैम के खिलाफ एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली/मुंबई। भारत सरकार ने ईरान में रोजगार की तलाश कर रहे भारतीय नागरिकों के लिए एक परामर्श जारी किया है। यह एडवाइजरी ऐसे कई मामलों के बाद जारी की गई है, जहां नागरिकों को झूठे बहाने और लालच देकर फुसलाया गया और बाद में उनका अपहरण कर फिरौती मांगी गई। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ₹हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें भारतीय नागरिकों को रोजगार के झूठे वादे करके या यह आश्वासन देकर ईरान जाने के लिए फुसलाया गया कि उन्हें रोजगार के लिए किसी तीसरे देश में भेजा जाएगा।₹ मंत्रालय ने आगे बताया कि ईरान पहुंचने पर, इनमें से कई व्यक्तियों का आपराधिक समूहों द्वारा अपहरण कर लिया गया और उनकी रिहाई के लिए फिरौती की मांग की गई। इस परामर्श में भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। ईरान में नौकरियों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश का दावा करने वाले प्रस्तावों के मामले में विशेष तौर पर आगाह किया गया है। इसमें कहा गया है, ₹इस संदर्भ में, सभी भारतीय नागरिकों को ऐसे रोजगार के वादों या प्रस्तावों के प्रति पूरी सतर्कता बरतने की सख़्त चेतावनी दी जाती है। विशेष रूप से, यह ध्यान देने योग्य है कि ईरान सरकार भारतीयों को केवल पर्यटन उद्देश्यों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश की अनुमति देती है। रोजगार या अन्य उद्देश्यों के लिए ईरान में वीजा-मुक्त प्रवेश का वादा करने वाले किसी भी एजेंट की आपराधिक गिरोहों से मिलीभगत हो सकती है। इसलिए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसे प्रस्तावों के झांसे में न आएं। भारत सरकार ने जोर देकर कहा कि वह विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और उनके हितों की रक्षा के लिए स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। बता दें कि विदेश मंत्रालय और विदेशों में स्थित भारतीय मिशन ऐसे स्कैम के प्रति काफी संवेदनशील है। हाल ही में विदेश मंत्रालय और भारतीय मिशनों के सहयोग से कई देशों में जॉब स्कैम में फंसे सैकड़ों भारतीयों को स्वदेश वापस लाया गया है।

आज श्रीराम बारात की भव्य झांकी विक्रोली पार्कसाईट में

-आदेश मिश्र

मुंबई। विगत वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी विक्रोली पार्कसाईट स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान से आज गुरुवार, 25 सितंबर को दोपहर 3 बजे से श्रीराम बारात की भव्य झांकी नगर दर्शन हेतु शोभायात्रा के रूप में निकाली जाएगी। रथ, घोड़ा, बैंड-बाजे और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ यह यात्रा पूरे नगर में धूमधाम से भ्रमण करेगी। तत्पश्चात शाम 7 बजे से रामलीला मंचन के अंतर्गत श्रीराम विवाह, दशरथ प्रतिज्ञा, कैकेई-मंथरा संवाद, कैकेई कोप भवन आदि प्रसंगों का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया जाएगा। गौरतलब है कि मुंबई महानगर की 59 वर्ष पुरानी एकमात्र संस्था श्रीरामलीला उत्सव समिति ही प्रतिवर्ष परंपरागत श्रीराम बारात निकालती आ रही है। इस अवसर पर मयार्दा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न चारों भाई अपने गुरुजी सहित रथ पर सवार होकर नगरवासियों को अयोध्या धाम का अद्भुत दर्शन कराएंगे। उस समय जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष से पूरा वातावरण राममय हो उठता है। समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल एवं संगठन मंत्री आदेश मिश्र ने समस्त श्रद्धालु भक्तों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में बाराती बनकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाएँ।

10 वा आयुर्वेद दिवस सम्मान समारोह के रूप में मनाया गया

झुंझुनूं। शहर के जमुना रिजॉर्ट में 10 वां राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी अर्जुनदास महाराज रहे तथा अध्यक्षता सहायक निदेशक डॉक्टर रविंद्र कुमार ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि महावीर इंटरनेशनल के सत्यदेव दड़िया व सीकर जिला अध्यक्ष डॉ जितेंद्र वर्मा रहे। इस अवसर पर आयुर्वेद विभाग के 6 चिकित्सा अधिकारी,6नर्स कंपाउडर,4 परिचारक,दो मंत्रालयिक कार्मिक,6 योग प्रशिक्षकों का सम्मान उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया। मंचासीन अतिथियों द्वारा इस मौके पर आयुर्वेद विकास में भरपूर योगदान करने वाले पांच भामाशाहों,आयुर्वेद औषधालयों में संसाधनों के विकास में सहयोग करने वाले तीन सरपंचों को भी सेवा सम्मान देकर उनका मान बढ़ाया गया और उम्मीद जताई गई कि भविष्य में भी आयुर्वेद विकास में आपके सहयोग की अपेक्षा करते रहेंगे। विभाग के डॉक्टर मदन लाल सैनी अध्यक्ष आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ,डॉक्टर महेश झाझड़िया अध्यक्ष आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन,नरेश यादव जिला संयोजक नर्स कंपाउंडर संघ,देवकरण बसेरा अध्यक्ष परिचारक संघ की उपस्थिति में हुए इस सफल कार्यक्रम में करीब 50 से अधिक आयुर्वेद परिवार के जन उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ.राजेंद्र कुमावत ने किया।

स्क्वेयरफीट ग्रुप का मी युवा ठाणेकर प्रोजेक्ट बना ठाणे में सफलता का प्रतीक

मुंबई। मेट्रोपॉलिटन रीजन के सबसे भरोसेमंद रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, स्क्वेयरफीट ग्रुप, जिसने पाँच दशकों से अधिक की विरासत बनाई है, ने अपने नवीनतम प्रोजेक्ट मी युवा ठाणेकर की भव्य सफलता की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट को मिला अभूतपूर्व प्रतिसाद यह दशार्ता है कि ठाणे के तेजी से उभरते आवासीय हब में सोच-समझकर डिजाइन किए गए और युवाओं की जीवनशैली से मेल खाते घरों की मजबूत मांग है। कोलशेत रोड, ठाणे पर स्थित यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक हाउसिंग प्रोजेक्ट नहीं बल्कि एक लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन है। ₹होम्स फॉर यंग ठाणेकर₹ की फिलॉसफी पर आधारित यह प्रोजेक्ट आधुनिक आर्किटेक्चर और जीवंत कम्युनिटी लिविंग का संगम है, जो युवाओं के साथ-साथ युवा दिलों को भी ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

स्क्वेयरफीट ग्रुप के डायरेक्टर, सचिन मिरानी ने सफलता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहाः हमें मी युवा ठाणेकर को मिले जबरदस्त प्रतिसाद से बेहद खुशी है। यह प्रोजेक्ट हमारे विजन को दशार्ता है जिसमें हम ऐसे घर तैयार करना चाहते हैं जो आज की जीवनशैली की आकांक्षाओं से मेल खाएं आधुनिक, युवा और कम्युनिटी-केंद्रित। आज ठाणे भारत के सबसे आकर्षक रियल एस्टेट मार्केट्स में से एक है, जहां विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कनेक्टिविटी और जीवंत सामाजिक परिवेश मौजूद है। आने वाले समय में मेट्रो, कोस्टल रोड और कोलशेत क्रीक ब्रिज जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ ठाणे, एंड-यूजर्स और निवेशकों दोनों के लिए जीवनशैली और दीर्घकालिक मूल्य का दुर्लभ मिश्रण प्रस्तुत करता है। हमें गर्व है कि हम मी युवा ठाणेकर के माध्यम से इस विकास यात्रा का हिस्सा हैं। 1.23 लाख वर्गफुट के विशाल पोडियम स्पेस और 9,000 वर्गफुट के अत्याधुनिक क्लबहाउस के साथ, Y-Square बेमिसाल लाइफस्टाइल सुविधाएँ प्रदान करता है, जिनमें स्विमिंग पूल, स्क्वैश कोर्ट, वेलनेस सेंटर, जुम्बा स्टूडियो, योगा पवेलियन और बच्चों व बड़ों के लिए मनोरंजन के कई विकल्प शामिल हैं। प्रोजेक्ट की सफलता को और गति देने के लिए हाल ही में आयोजित चैनल पार्टनर मीट में 500 से अधिक बिजनेस पार्टनर्स ने भाग लिया, जहां लगभग 400 करोड़ मूल्य के संभावित बिजनेस अवसरों पर चर्चा हुई। इस आयोजन ने मुंबई के अग्रणी चैनल पार्टनर्स की उत्साही भागीदारी देखी, जिसने स्क्वेयरफीट ग्रुप ब्रांड और मी युवा ठाणेकर प्रोजेक्ट की अपार संभावनाओं पर मजबूत विश्वास को पुनः स्थापित किया।

प्लैटिनमआरएक्स के साथ हर महीने दवा के खर्च पर 50-60% तक बचत

PlatinumRx
दवाइयाँ आधी कीमत पर

मुंबई। प्लैटिनमआरएक्स, एक ऑनलाइन फार्मेसी है, जो मरीजों को उनके मासिक दवा खर्च में 50झ60% तक की बचत करने में मदद कर रही है। भारत भर में 10 लाख से अधिक लोग, जिन्हें डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी दीर्घकालिक बीमारियाँ हैं, अब नियमित रूप से प्लैटिनमआरएक्स मोबाइल ऐप से दवाइयाँ ऑर्डर करते हैं। भारत में लंबे समय तक दवाइयाँ लेने वाले मरीज हर महीने औसतन 2,000-5,000 रूपए खर्च करते हैं। इतनी अधिक लागत की वजह से 70 करोड़ से ज्यादा लोग या तो इलाज अधूरा छोड़ देते हैं या दवाइयाँ समय पर नहीं ले पाते। प्लैटिनमआरएक्स इन महंगी दवाओं का एक सावधानी से चुना हुआ, उच्च गुणवत्ता वाला जेनेरिक विकल्प देता है, जो बड़े ब्रांड की दवा के बराबर असरदार है। ये विकल्प 100% साल्ट कम्पोजिशन वाले होते हैं और सीधे प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनियों से मंगाए जाते हैं। प्लैटिनमआरएक्स का पूरा प्रोसेस सुरक्षित और आसान है। हर ऑर्डर लाइसेंसधारी फार्मासिस्ट द्वारा चेक किया जाता है और दवाइयाँ सीधे घर तक पहुँचाई जाती हैं। कंपनी भारत के 20,000+ पिनकोड क्षेत्रों में डिलीवरी करती है। मेट्रो शहरों में एक दिन और अन्य जगहों पर 3-5 दिन में डिलीवरी दी जाती है। प्लैटिनमआरएक्स के सह-संस्थापक आशुतोष पांडे ने कहा, प्लैटिनमआरएक्स की शुरूआत एक सरल विश्वास से हुई कि गुणवत्ता वाली दवाइयाँ किसी के लिए भी लग्जरी नहीं होनी चाहिए। दीर्घकालिक मरीज हर महीने हजारों रुपये खर्च करते हैं। हमारा मकसद इस बोझ को कम करना और हर परिवार के लिए स्वास्थ्य सेवा सस्ती बनाना है। प्लैटिनमआरएक्स की स्थापना 2024 में आईआईटी दिल्ली और आईआईएमकोलकाता के पूर्व छात्रों आशुतोष पांडे और पीयूष कुमार ने की थी।

अग्निकुल कोस्मोस ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग फेसिलिटी शुरू की

मुंबई। स्पेसटेक की अग्रणी कंपनी अग्निकुल कोस्मोस ने एयरोस्पेस और रॉकेट सिस्टम्स के लिए समर्पित एक अत्याधुनिक एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग फेसिलिटी शुरू होने की आज घोषणा की। यह फेसिलिटी एक फुल्ली इन्टिग्रेटेड इकोसिस्टम प्रस्तुत करती है जो गुणवत्ता, विश्वसनीयता और सप्लाई चेन के लचीलेपन में वृद्धि करनेवाली डिजाइन, सिम्युलेशन, प्रिंटिंग, पोस्ट-प्रोसेसिंग और फि निशिंग को कवर करती है। इसके अलावा यह अंतरिक्ष के लिए निर्माण की लागत में 50 प्रतिशत की कमी भी करती है। भारत में पहली बार यह फेसिलिटी में एक मीटर तक की ऊँचाई वाले एयरोस्पेस और रॉकेट कम्पोनेन्ट्स की थ्रीडी प्रिंटिंग भी संभव होगी। एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के लिए पहले मुश्किल माने जाने वाले पार्ट्स का उत्पादन संभव बनने से अग्निकुल अब कुछ ही दिनों में फुल्ली-फिनिश्ड, फ्लाईट-रेडी हार्डवेयर तैयार कर सकती है। इससे विकास की समयसीमा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और थ्रीडी प्रिंटिंग से प्राप्त की जा सकने वाली उपलब्धियों का विस्तार होगा। इस प्रिंटिंग क्षमता को पूरक बनाती है स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई और विकसित की गई डी-पाउडरिंग मशीन, जो एक महत्वपूर्ण पोस्ट-प्रोसेसिंग सिस्टम है जो एडिटिवली उत्पादित पार्ट्स पर फ्लोलैस सरफेस फिनिश और स्पेस-ग्रेड गुणवत्ता सुनिश्चित करता है। इन-हाउस ही डिजाइन और विकसित की गई यह मशीन बाहरी निर्भरता को कम करती है और निरंतर गुणवत्ता सुनिश्चित करती है।

जौनपुर में एक्रेडिटेड ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का भव्य शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के ग्राम ऊंचनीकला में सोमवार को एक्रेडिटेड ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर का भव्य उद्घाटन हुआ। इस सेंटर का संचालन ओम कृष्णा ज्वाइंट वेंचर द्वारा किया जाएगा। उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मंत्री नंद कुमार नंदी, आरटीओ वाराणसी मनोज कुमार वर्मा, एआरटीओ सतेन्द्र कुमार सिंह, पूर्व राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव सहित जिले और प्रदेश के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना से युवाओं को सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से ड्राइविंग का प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और नियमों का पालन कराने में ऐसे संस्थान बेहद उपयोगी साबित होंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को न केवल प्रोफेशनल ड्राइविंग स्किल्स मिलेंगी बल्कि उन्हें रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

अखिल भारतीय हिंदी सेवी सम्मान से सम्मानित हुए जयप्रकाश सिंह

मुंबई। गत दिनों मुंबई प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश सिंह को अखिल भारतीय हिंदी सेवी सम्मान से सम्मानित किया गया. सम्मान में स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र दिया गया. मुंबई प्रांतीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा द्वारा आयोजित समारोह में शहर की जानी मानी हस्तियां मौजूद थीं. लगभग तीन दशक पत्रकारिता गुजार चुके जयप्रकाश सिंह वर्तमान समय में एक निजी चैनल में बतौर महाराष्ट्र ब्यूरो के रूप में कार्यरत हैं . इनके द्वारा हिंदी भाषा के लिए किए गए अमूल्य योगदान के चलते यह पुरस्कार उन्हें दिया. जयप्रकाश सिंह को पुरस्कार मिलने पर कई सामाजिक संस्था और गणमान्यवरों उनका अभिनंदन किया.

अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट'- एक मजेदार और दिल को छू लेने वाली पारिवारिक फिल्म, 26 सितंबर को सिनेमाघरों में

मुंबई। प्रशंसित अभिनेता-निर्देशक अनुपम खेर की बहुचर्चित निर्देशित फिल्म, 'तन्वी द ग्रेट, 26 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में वापसी के लिए तैयार है। साहस, समावेशिता और परिवार का एक मार्मिक लेकिन आनंदमय उत्सव, यह फिल्म एक दुर्लभ मनोरंजन के रूप में लौट रही है जिसका आनंद सभी पीढ़ियों के दर्शक एक साथ उठा सकते हैं। अपनी पहली रिलीज पर, फिल्म ने पूरे देश में लोगों के दिलों को छुआ और इसे माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और राज्य के मुख्यमंत्रियों सहित राष्ट्रीय नेताओं के लिए विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया था। 98वें अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के लिए शीर्ष तीन दावेदारों में से एक के रूप में सम्मानित, 'तन्वी द ग्रेट' ने अपनी अनूठी कहानी और शानदार प्रदर्शन के लिए बहुत सम्मान अर्जित किया। इसके मूल में तन्वी रैना की प्रेरक यात्रा है, जो एक जीवंत ऑटिज्म से पीड़ित युवा लड़की है, जिसे अपने दिवंगत फौजी पिता के सियाचिन ग्लेशियर पर झंडे को सलाम करने के अधूरे सपने का पता चलता है। इसे पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित, वह एक जीवन बदलने वाले मिशन पर निकल पड़ती है जो हंसी, मासूमियत और लचीलेपन का मिश्रण है। 'तन्वी द ग्रेट' को एक पारिवारिक फिल्म के रूप में इसकी सार्वभौमिक अपील से अलग पहचान मिलती है। इसमें एक देशभक्ति की आत्मा है, लेकिन इसे गर्मजोशी, हास्य और आशा के साथ प्रस्तुत किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि बच्चे, माता-पिता और दादा-दादी सभी इसे एक साथ देख सकें और प्रेरित होकर बाहर निकलें।

अनुपम खेर ने साझा किया, यह फिल्म सिर्फ देशभक्ति के बारे में नहीं है यह प्यार, परिवार और दूसरे मौकों के बारे में है। इसे मिली सराहना देखकर मैं अभिभूत था, लेकिन मेरा मानना है कि इसका असली भाग्य परिवारों द्वारा सिनेमाघरों में एक साथ अनुभव किया जाना है। दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा, कुछ कहानियाँ आपको एक साथ हंसाती, रुलाती और सपने दिखाती हैं। 'तन्वी द ग्रेट' उन दुर्लभ फिल्मों में से एक है जो परिवारों को करीब लाती है। बोमन ईरानी ने कहा, ₹यह हमें याद दिलाती है कि रोजमर्रा के नायक अक्सर हमारे घरों में ही होते हैं, जो चुपचाप प्यार के साथ अपनी ताकत को निभाते हैं। तन्वी की भूमिका निभाने वाली नवोदित अभिनेत्री शुभांगी दत्त ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा है। यह कोमल, मजेदार और शक्तिशाली है, और मैं एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनने के लिए।

लोकसहभाग से स्वावलंबी राष्ट्र निर्माण का संकल्प करें: रविंद्र चव्हाण

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान

नवी मुंबई/ठाणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान देशभर में शुरू हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती (25 सितम्बर) से लेकर भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जयंती (25 दिसम्बर) तक यह अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य हर भारतीय को स्वदेशी संकल्प से जोड़ना, लोकसहभाग के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण को गति देना और वोकल फॉर लोकल का संदेश घर-घर तक पहुँचाना है, ऐसा प्रतिपादन भाजपा महाराष्ट्र के प्रदेशाध्यक्ष एवं डोंबिवली के विधायक रविंद्र चव्हाण ने डोंबिवली में किया। नमो रमो जो कि महाराष्ट्र का सबसे बड़ा गरबा आयोजन स्थल है, वहाँ घर-घर स्वदेशी का संदेश देने वाले महाकाय आकाश गुब्बारे का अनावरण इस अवसर पर चव्हाण के हस्ते किया गया।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियानह्न के अंतर्गत राष्ट्रीय, राज्य, जिला और मंडल स्तर पर कार्यशालाएँ, महिला एवं युवा सम्मेलन, व्यापारी एवं उद्योग परिषद, स्वदेशी मेले तथा आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथह्न जैसे विभिन्न कार्यक्रम देशभर में आयोजित किए जाएँगे। किसान, महिला, युवा, कारीगर, छोटे दुकानदार, स्वयंसेवी संस्थाएँ, शैक्षणिक क्षेत्र तथा व्यापारी और उद्योग क्षेत्र इसमें सक्रिय भागीदारी करेंगे। घर-घर स्वदेशी की भावना से स्वदेशी उत्पादों का प्रसार, लघु उद्योगों को प्रोत्साहन और स्थानीय उद्यमियों को सहयोग देना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रहेगा, ऐसा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने बताया। इस उपक्रम के अंतर्गत हर जिले में जनजागृति अभियान, प्रतियोगिताएँ, परिसंवाद, स्वदेशी मेले तथा सोशल मीडिया पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा कल्याण जिलाध्यक्ष नंदू परब, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा सरचिटणीस शशिकांत कांबळे, मंडल अध्यक्ष मितेश पेणकर, करण जाधव, धनाजी पाटील, सौ. प्रिया जोशी, शक्तिवान भोईर, रितेश फडके, पवन पाटील, लक्ष्मण पंत, परेश तेलंगे, विश्वजीत करंजुले, नितेश म्हात्रे, स्वप्निल काटे, समीर भंडारे, नवनाथ पाटील, माजी नगरसेवक मुकुंद (विशु) पेडणेकर तथा सभी पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

फिलिप्स होम अप्लायंसेज का सोने पे सुहागा अभियान

मुंबई। भारत में त्योहारों का समय खुशी, नई शुरूआत और पावन परंपराओं का अवसर होता है। इन अवसरों के लिए सोने का विशेष महत्व होता है। इसी भावना को सम्मानित करते हुए फिलिप्स होम अप्लायंसेज ने त्योहारों पर अपना सोने पे सुहागा अभियान पेश किया है। इस ऑफर में ग्राहकों को अपने घर के लिए भरोसेमंद इनोवेशन खरीदने के साथ सोना जीतने का अवसर भी मिलेगा।

यह अभियान फिलिप्स ने अपने इस विश्वास के साथ शुरू किया है कि त्योहारों का मौसम दैनिक जीवन को आसान बनाने के साथ स्थायी यादों को संजोने का समय भी होता है। ग्राहकों के जीवन में खुशी लाने के लिए फिलिप्स एयरफ्रायर, मिक्सर ग्राईंडर, कॉफी मशीन, गारमेंट स्टीमर, एयर प्योरिफायर्स आदि के अपने विस्तृत पोर्टफोलियो के साथ फिलिप्स हर घर में इनोवेशन, सुविधा और देखभाल पेश करता है। यह अभियान पूरे महीने चलेगा। इसमें ग्राहकों को हर रोज, हर घंटे 9,999 रुपये मूल्य का सोना जीतने का मौका मिलेगा। विजेताओं की घोषणा फिलिप्स होम अप्लायंसेज द्वारा हर घंटे अपने सोशल मीडिया चैनल और रेडियो पर की जाएगी। दैनिक विजेताओं का नाम समाचार पत्रों में प्रकाशित होगा। इस कैम्पेन के बारे में पूजा बैद, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, वसुर्नी इंडिया ने कहा, ह्यह्यभारत में त्योहार खुशी, भाईचारे और साथ में बिताए खुशनुमा पलों का प्रतीक होते हैं। इस जश्न में सोने का हमेशा से एक विशेष महत्व है। यह समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है। हमारे ह्यसोने पे सुहागा अभियान के साथ हम फिलिप्स के भरोसेमंद इनोवेशंस के साथ सोना जीतने की खुशी प्रदान करना चाहते हैं। हमारे इस ऑफर द्वारा हम हर त्योहार को और अधिक खुशहाल बनाना चाहते हैं। सोने पे सुहागा अभियान भारतीय परिवारों को उपयोगी और उद्देश्य पर केंद्रित इनोवेशन प्रदान करने और त्योहारों का उत्साह बढ़ाने की फिलिप्स की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। यह अभियान पूरे देश में 22 सितंबर से 22 अक्टूबर, 2025 के बीच चलेगा। इस दौरान ग्राहकों को किसी भी ऑफलाईन स्टोर या फिलिप्स होम अप्लायंस की वेबसाईट से 1,000 रुपये से अधिक मूल्य का कोई भी फिलिप्स होम अप्लायंस खरीदने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इसके बाद ग्राहकों को एक क्यूआर कोड के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा, जो उन्हें हर घंटे 9,999 रुपये मूल्य के गोल्ड वाउचर जीतने का मौका देगा। हर खरीद को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए चुनिंदा उत्पादों पर निश्चित उपहार भी ग्राहकों को दिए जा रहे हैं।

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में 10वां आयुर्वेद दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। हर साल की तरह इस साल भी नरसिंह के. दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में 10वां आयुर्वेद दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। आयुर्वेद जन जन के लिये और पृथ्वी के कल्याण के लिए इस थीम के अनुरूप, महाविद्यालय के साथ-साथ नालासोपारा, वसई और विरार में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। विरार आगाशी में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. राहुल सोनकांबळे इन्होने पौष्टिक आहार और अन्नप्राशन संस्कार इस विषय पर व्याख्यान दिया और वहाँ के लोगों को पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया। कॉलेज में आरोग्य आहार पर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्रों ने पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ बनाए और उनका महत्व समझाया।

नालासोपारा क्षेत्र के लोगों में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता निर्माण करने के लिए आयुर्वेद रैली का आयोजन किया गया। औषधी वनस्पती और आयुर्वेदिक औषधियाँ, स्वास्थ्य के लिए आहार और योग, पंचकर्म उपचार और उनके लाभ, नेत्र रोग और शल्य चिकित्सा, रोग-विशिष्ट उपचार और प्रबंधन को प्रदर्शित करते हुए एक मिनी एक्स्पो का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, छात्रों ने आयुर्वेदिक चिकित्सा, झूठे विज्ञापन और आयुर्वेदिक आहार और वजन घटानेह पर एक नाटिका प्रस्तुत की। नालासोपारा के स्कूल के छात्रों के साथ-साथ नालासोपारा वसई क्षेत्र के लोगों ने भी इसका लाभ उठाया। महाविद्यालय के सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्रों के साथ-साथ नोडल अधिकारी डॉ. सरिता पासी इनकी कडी मेहनत से सभी कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे, संस्था के ट्रस्टी और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग प्रमुख डॉ. ऋजुता दुबे तथा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हेमलता शेंडे इनके मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

डॉलर मिस्सी नये फेस्टिव कलेक्शन का शुभारंभ

पटना। त्योहारों के मौसम से ठीक पहले, डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने महिला वस्त्र ब्रांड, डॉलर मिस्सी का नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च किया है, जो एक रोमांचक अभियानमिस्सी ने बना दी जोड़ीह्न के साथ परफेक्ट परिधानों की जोड़ियों की शक्ति का उत्सव मनाता है। त्योहारों का मौसम अच्छा दिखने और अच्छा महसूस करने के बारे में है, और हमारे नये डॉलर मिस्सी कलेक्शन के साथ, हमने आराम और फेस्टिव आकर्षण का बेहतरीन संगम बनाया है। यह लॉन्च जीवंत रंगों, वसेर्टाइल स्टाइल्स और उस आत्मविश्वास का उत्सव है, जो परफेक्ट फिट से आता है।